जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 287 प्रभात कोटा, गुरुवार 31 जुलाई, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विपक्ष का मानना है, दो दिन की बहस के बाद भी ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मूल सवाल अनुत्तरित ही रहे

प्र. मंत्री मोदी के विस्तृत उत्तर के बाद भी, विपक्ष के अनुसार, यह बात साफ नहीं हुई कि राष्ट्रपति ट्रंप की युद्ध विराम कराने में कुछ भूमिका थी या नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। लोकसभा में दो दिन तक चली लंबी बहस और राज्यसभा में हुई दो दिन की चर्चा के बावजूद, ऑपरेशन सिंदूर, जो नृशंस पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य प्रतिक्रिया थी, से जुड़े विपक्ष के महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिल सके। सरकार द्वारा इसे "पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने" की निर्णायक कार्रवाई के रूप में प्रोजेक्ट किया गया, लेकिन अब यह रणनीति संदेहों, कूटनीतिक उलझनों और अस्पष्टता से घिरी हुई नज़र आ रही है।

- विपक्ष के अनुसार, उसे सुरक्षा संबंधी इन प्रश्नों का जवाब नहीं मिलाः
- (अ) आतंकवादी पहलगाम में घुसे कैसे? और आतंकवादी हमले के बाद कहाँ गये?
- (ब) क्या सभी आतंकवादी मारे गये या कुछ अभी भी घूम रहे हैं? विपक्ष तीन आतंकवादियों को मार गिराने के सरकारी दावे को स्वीकार नहीं करता।
- (स) हवाई हमले में भारत के कितने लड़ाकू विमान खत्म हुए?
- (द) ट्रंप के तथाकथित हस्तक्षेप के बाद, भारत द्वारा जवाबी हमला रोक देने से भारत को क्या लाभ मिला, रणनीति की दृष्टि से।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकसभा में दिए गए विस्तृत एवं लम्बे जवाब के बावजूद, सरकार विपक्ष के मुख्य सवालों से किनारा करती दिखी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की कथित भूमिका पर सरकार से बार-बार सवाल किये, जिन्होंने कम से कम 29 बार यह दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान संघर्षविराम (सीज़फायर) में अहम भूमिका निभाई। लेकिन नई दिल्ली ने न कभी इसकी पुष्टि की, और न सरकारी स्तर पर इसका खंडन किया। संसद में प्रधानमंत्री मोदी के उत्तर ने इस भ्रम को दूर नहीं किया, सिवाय इसके कि उन्होंने दावा किया कि, "संघर्ष विराम में किसी भी विश्व नेता की भूमिका नहीं थी।"

विपक्ष ने सरकार पर बयानबाजी एवं शब्दजाल के पीछे सच्चाई को छिपाने और जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। मोदी सरकार का यह दावा, कि "किसी वैश्विक शक्ति ने भारत को सैन्य अभियान रोकने का निर्देश नहीं दिया", ट्रंप के बयानों और अमेरिका सहित, अन्य वैश्विक शक्तियों द्वारा चिंता जताने के तुरंत बाद तनाव में आई कमी से मेल नहीं खाता।

सरकार की सबसे बड़ी आलोचना उस समय हुई, जब पहलगाम आतंकी हमला, जिसे सबने सीमा-पार द्वारा प्रायोजित माना था तथा जिसमें 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए, पर न तो कोई शोक प्रस्ताव लाया गया, और न ही सरकारी स्तर पर शोक व्यक्त किया गया। संसद में इस पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

इसके साथ ही, हमले में शामिल पांच आतंकियों की पहचान, उनके मूल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जमानती अपराध पर बेल क्यों नहीं दी गई'

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जमानती अपराध होने के बावजूद महिला आरोपियों का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर उन्हें जेल भेजने के मामले में संबंधित न्यायिक न्यायिक मजिस्ट्रेट और एडीजे क्रम-6 महानगर द्वितीय के पीठासीन अधिकारी बालकृष्ण कटारा से दो सप्ताह में स्पष्टीकरण देने को कहा है। इसके साथ ही, अदालत ने दोनों आरोपी महिलाओं को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने ये आदेश मीतू पारीक और इंदू वर्मा की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता राजेश

- हाई कोर्ट ने निचली अदालत के दो न्यायिक अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा।

महर्षि ने अदालत को बताया कि मामले में पुलिस ने उन्हें फंसाया है और वे निर्दोष हैं। पुलिस अनुसंधान में दोनों के खिलाफ जिन धाराओं में अपराध प्रमाणित माना गया है, वे धाराएं जमानती प्रकृति की हैं। इसके बावजूद, न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजते समय इसका ध्यान नहीं रखा। वहीं, एडीजे क्रम-6 महानगर द्वितीय के पीठासीन अधिकारी ने भी 24 जून को उनके जमानत प्रार्थना पत्रों को खारिज कर दिया। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं के खिलाफ पूर्व में कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है और इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया, लगातार क्यों सोना खरीद रहा है?

क्या ट्रंप की लगातार टैरिफ संबंधी धमकियों व डॉलर की वर्ल्ड मार्केट में बढ़ती अस्थिरता व विश्व में बढ़ रही फायनैंशियल अनिश्चितता से प्रेरित है, आर.बी.आई. की सोना खरीद?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। क्या भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) को आने वाले समय में आर्थिक तूफ़ान के संकेत मिल रहे हैं? युद्धकालीन सतर्कता की याद दिलाने वाला कदम उठाते हुए, देश के केन्द्रीय बैंक ने हाल के महीनों में तेज़ी से अपने सोने के भंडार बढ़ाए हैं, यह एक पुरानी रणनीति है, लेकिन आज के समय में बेहद प्रासंगिक।

- भारत के विदेश मुद्रा के कोष में सोने का योगदान पहले 8.9 प्रतिशत ही होता था और हाल ही में हुई खरीद के बाद, सोने का योगदान बढ़कर 12.1 प्रतिशत हो गया है।
- हालांकि, सोने पर कोई रिटर्न नहीं मिलता, सरकारी बॉण्ड्स की तुलना में। पर, जब विश्व में अशांति व अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं, ब्याज की कमाई से ज्यादा सोने द्वारा प्रदत्त फायनैंशियल स्थिरता ज्यादा प्रिय लगती है।

इस सिलसिले की ताज़ा कड़ी जून 2025 में देखने को मिली, जब आरबीआई ने चुपचाप लगभग आधा टन सोना खरीदा। इससे पहले अप्रैल में तो और भी बड़ा ख़रीदारी अभियान चला, जिसमें 57.5 टन सोना जोड़ा गया, जो कि उसी अवधि में चीन की ख़रीद से भी ज़्यादा था।

इस हालिया खरीद के बाद भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब बढ़कर 879.8 टन हो गया है, जो पहले 879.6 टन था। यह बढ़त मामूली लग सकती है, लेकिन यह एक स्पष्ट और लगातार चल रहे रुझान को दर्शाती है: आरबीआई पारंपरिक विदेशी मुद्रा भंडार, जैसे कि अमेरिकी डॉलर, से दूरी बनाकर वैश्विक अस्थिरता के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 12.1 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो एक रणनीतिक बदलाव की ओर इशारा करता है। और यह बदलाव केवल दिखावटी नहीं है। आर.बी.आई. की सोने की खरीददारी का समय, फ्रीक्वेंसी और मात्रा इस बात का संकेत हैं कि वैश्विक आर्थिक ढांचे को लेकर गहरी चिंता है।

डिजिटल मुद्राओं और तेज़ रफ्तार बाज़ारों की आज की दुनिया में, एक समय में पुरानी मानी जाने वाली संपत्ति, सोने, की ओर यह वापसी क्यों? शायद इसलिए, क्योंकि जब हालात डगमगाने लगते हैं, तब सोना सबसे ज्यादा चमकता है।

सोने को हमेशा से ही "सुरक्षित निवेश" माना गया है, खासकर तब, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था संकट में होती है। इसमें कोई काउंटरपार्टी जोखिम नहीं होता, अर्थात् इसका मूल्य किसी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को एक और झटका दिया

सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव द्वारा दायर याचिका को अस्वीकार कर दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भूमि के बदले नौकरी घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद को कोई राहत देने से इनकार कर दिया। यह मामला उनके 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के कार्यकाल से जुड़ा है।

- याचिका में यह मांग की गई थी कि ट्रायल कोर्ट पर रोक लगाई जाए, कि उक्त न्यायालय, लालू यादव के खिलाफ आरोप पत्र फाइनल न करें।
- सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया कि आरोप पत्र दायर होने से लालू यादव के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे मुकदमे में कार्यवाही पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति नोंगमीकपम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोप तय किए जाने से दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित याचिका निष्प्रभावी नहीं होगी। अत: अदालत ने इस स्तर पर हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए लालू प्रसाद की आरोप तय करने में देरी की मांग खारिज कर दी।

सुनवाई के दौरान, सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने लालू की याचिका का विरोध करते हुए याचिका दायर करने के कारण उन पर जुर्माना लगाने की मांग की। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने ऐसा कोई जुर्माना नहीं लगाया।

यह दूसरा अवसर है, जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में लालू प्रसाद को राहत देने से इन्कार किया है। इससे पहले 18 जुलाई को भी अदालत ने ट्रायल पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था, जब सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई उनकी याचिका की सुनवाई कर रहा था।

इससे पहले, 29 मई को दिल्ली हाईकोर्ट ने भी उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने ट्रायल पर रोक लगाने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में हस्तक्षेप के लिए कोई ठोस आधार नहीं है। हालांकि, हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया था और 12 अगस्त को अंतिम सुनवाई तय की थी।

यह मामला 18 मई 2022 को सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री रहते हुए अपने पद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्नपूर्णा रसोई का अनुबंध निरस्त करने पर रोक

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने डीग जिले के नगर में चल रही अन्नपूर्णा रसोई का अनुबंध तय समय से पहले निरस्त करने वाले राज्य सरकार के गत 16 जून के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में निदेशक व प्रमुख विशेष सचिव स्थानीय निकाय,

- हाई कोर्ट ने डीग जिले के नगर की अन्नपूर्णा रसोई के बारे में राज्य सरकार के 16 जून के आदेश पर रोक लगाई।

जिला कलेक्टर भरतपुर, कमिश्नर नगर निगम भरतपुर व कार्यकारी अधिकारी, डीग सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन ने ये आदेश संकल्प शिक्षा समिति की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता अभिमन्यु सिंह ने बताया कि याचिकाकर्ता को 20 अगस्त 2020 को इंदिरा रसोई योजना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धनखड़ के इस्तीफे का रहस्य गहराता ही जा रहा है!

नवीनतम चर्चा के अनुसार, धनखड़ आंध्र के कांग्रेस नेताओं से मिलकर चंद्रबाबू नायडू के संपर्क में आये, उन्हें एनडीए छोड़ने के लिए प्रेरित करने लगे, जिससे मोदी सरकार अल्पमत में आकर गिर जाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। हालांकि उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया, लेकिन सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि उन्हें इस्तीफा देने को कहा गया, क्योंकि वे कांग्रेस नेताओं के साथ गुपचुप मेलजोल बढ़ा रहे थे और सरकार गिराने की साज़िश में लगे थे। सूत्रों के अनुसार, इसके लिए धनखड़ ने कांग्रेस नेताओं की एक बैठक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू के साथ आयोजित कराने की कोशिश की थी, ताकि वे एनडीए से अलग हो जाएं और संसद में मोदी सरकार अल्पमत में आ जाए।

हालांकि कहा जाता है कि नायडू ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और प्रधानमंत्री मोदी को धनखड़ की योजना की जानकारी दे दी।

- चंद्रबाबू नायडू ने इस "साजिश" से प्र.मंत्री मोदी को अवगत कराया और धनखड़ से इस्तीफा लेने की प्रक्रिया शुरु हुई।
- यह भी कहा जा रहा है कि धनखड़ चाहते थे कि न्यायाधीश वर्मा के "इम्पीचमैंट" का प्रस्ताव, राज्यसभा में पारित हो, जिससे वे "इम्पीचमैंट" की कार्यवाही के लिए अपनी पसंद के सुप्रीम कोर्ट के जज, हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश व एक वरिष्ठ जुरिस्ट का चयन खुद करते।
- पर, लोकसभा द्वारा 145 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव पहले पारित हो गया।

धनखड़ संदेह के घेरे में थे, क्योंकि उनका विभिन्न राजनीतिक दलों से नाता रहा है। वे 1989 से 1991 तक राजस्थान के झुंझुनूं से जनता दल के सांसद रहे और 1990-91 में संसदीय कार्य राज्य मंत्री भी रहे। इसके बाद 1991 में उन्होंने राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस जॉइन कर ली और अजमेर से लोकसभा चुनाव लड़ा, जिसमें वे हार गए। फिर 1993 से 1998 तक वे किशनगढ़ से कांग्रेस के विधायक रहे। एक वरिष्ठ वकील के रूप में उन्होंने 2003 में भाजपा जॉइन की और पार्टी की कानूनी समिति का नेतृत्व किया।

21 जुलाई को राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने धनखड़ से कथित साज़िश के प्रयासों पर सवाल किया। धनखड़ ने नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू से शिकायत की थी कि संसद भवन से लगे उनके आवास पर आने-जाने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है और कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य उपभोक्ता आयोग ने सहारा के प्रोजैक्ट मैनेजर को जेल भेजा

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग ने टोंक रोड पर बीलवा स्थित सहारा प्राइम सिटी मामले में दिए गए आदेश की पालना नहीं करने के, अवमानना के 56 मामलों में बुधवार को आरोपी प्रोजेक्ट मैनेजर संजय सक्सैना को 13 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज

- आयोग ने बीलवा स्थित सहारा सिटी के मामले में दिये गये आदेश की पालना नहीं करने के अवमानना के 56 मामलों में यह निर्णय सुनाया।

दिया। आयोग के न्यायिक सदस्य निर्मल सिंह व मुकेश और सदस्य रामनिवास सारस्वत ने यह आदेश भारती माहना व अन्य की अवमानना याचिकाओं पर दिया।

आयोग के स्थायी गिरफ्तारी वारंट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नागरिकता का सबूत पेश करने की जिम्मेवारी किसकी है?'

चुनाव आयोग ने जिम्मेवारी मतदाता पर डाल दी, जबकि, पहले चुनाव आयोग किसी भी व्यक्ति का मतदान का अधिकार छीनने से पहले कारण बताकर संतुष्ट करता था कि उस व्यक्ति का नाम मत सूची से क्यों काटा जा रहा है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। देश के लोकतंत्र के समर्थन में 93 पूर्व नौकरशाहों ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह "भारतीय लोकतंत्र के लिए अब तक का सबसे बड़ा खतरा" है।

पूर्व नौकरशाहों ने एक खुले पत्र में लिखा है कि चुनाव आयोग सिद्धांत और व्यवहार को उलट रहा है, और नागरिकता साबित करने का भार मतदाता पर डाल रहा है, बजाय इसके कि अधिकारी यह प्रमाणित करें कि उन्होंने किसी व्यक्ति को फर्जी नागरिकता के आधार पर क्यों सूची से बाहर रखा है।

पूर्व नौकरशाहों ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया को लोकतंत्र पर हमला बताया है, जिससे एक बड़े वर्ग के लोग, खासकर वे, जिनके पास नागरिकता के दस्तावेज नहीं हैं या बहुत कम हैं, अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

ये सेवानिवृत्त अधिकारी भारत सरकार की तीन अखिल भारतीय सेवाओं और अन्य केन्द्रीय सेवाओं से हैं और संवैधानिक आचरण समूह (कॉन्स्टिट्यूशनल कन्डक्ट ग्रुप) से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने लिखा, "बिहार में मतदाता सूची के इस "निरर्थक" विशेष पुनरीक्षण को जारी रखना और इसे आगे चल कर देश भर में लागू करना, भारतीय लोकतंत्र के लिए अब तक के सबसे बड़े खतरों में से एक है।"

पत्र में कहा गया है, "हम यह पत्र गहरी चिंता के साथ लिख रहे हैं, क्योंकि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि लोकतंत्र की नींव, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, पर सीधा हमला हो रहा है।"

उन्होंने आगे कहा, "यह हमला बेहद चालाकी से किया जा रहा है, जहां

- देश के 93 रिटायर्ड टॉप अफसरों ने खुला पत्र लिखकर चुनाव आयोग के इस निर्णय को प्रजातंत्र के समक्ष अब तक का सबसे बड़ा खतरा बताया।
- पत्र के अनुसार, भारत में आज भी अधिकतर लोगों के पास दस्तावेज़ नहीं होते, जो यह साबित करें कि वह व्यक्ति भारत का नागरिक है। कमज़ोर व गरीब वर्ग के लोग तो विशेषकर इन दस्तावेज़ों से महरुम हैं।
- एक और अहम सवाल है जो इस पत्र में शीर्ष रिटायर्ड अफसरों ने उठाया है, क्या चुनाव आयोग को संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं कि वह किसी की भी नागरिकता किसी भी कारण से रद्द कर सकता है।

मतदाता सूची को शुद्ध करने के नाम पर, मतदाताओं के एक बड़े हिस्से को, खासतौर पर गरीबों और हाशिए पर मौजूद लोगों को, जिनके पास नागरिकता के पर्याप्त दस्तावेज नहीं हैं, वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।"

पत्र में कहा गया है, "पूर्व में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने के लिये दस्तावेजों की जांच के मामले में उदार और लचीला रवैया अपनाया था, आयोग अच्छी तरह जानता था कि अधिकांश भारतीयों के पास अपनी नागरिकता को सिद्ध करने के लिये पूर्ण दस्तावेज नहीं होते। उस समय यह मान लिया गया था कि विशेष रूप से गरीबों को सरकारी दस्तावेजों की उपलब्धता में बहुत कठिनाई होती है और उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अतिरिक्त रूप से सक्रिय उपायों की जरूरत होती है। अब यह प्रक्रिया पलट दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें मताधिकार से वंचित कर दिया जाएगा।"

पत्र में यह भी कहा गया है कि चुनाव आयोग ने लंबे समय से चले आ रहे नियमों को उलट दिया है और अब नागरिकता सिद्ध करने का बोझ मतदाता पर ही डाल दिया गया है।

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि चुनाव आयोग ने असंवैधानिक रूप से अपने अधिकारियों को किसी का भी नाम मतदाता सूची में जोड़ने या हटाने का अधिकार दे दिया है।

अधिकारियों ने आगे कहा कि चुनाव आयोग ने अपने अधिकारियों को यह "असाधारण स्वविवेकाधारित अधिकार" दे दिया है, जिससे मतदाता "जोड़ने या हटाने के मामलों में भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ गई है।"

पत्र में कहा गया है, "इस पूरी कवायद का जारी रहना तथा इसके बाद इसका पूरे देश में पहुँचना भारतीय लोकतंत्र के लिए अब तक के सबसे बड़े खतरों में से एक है और यह खतरा उस संस्था द्वारा पैदा किया जा रहा है, जिसका काम सार्वभौमिक मताधिकार व्यवस्था को मजबूत करना है। मतदाता सूची को अपडेट करना तो चुनाव आयोग का नियमित एवं सामान्य (रूटीन) कार्य है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने जयपुर की टूटी सड़कों का प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की क्षतिग्रस्त सड़कों पर चिंता जताते हुए कहा है कि हम इस बात पर विचार करें कि क्या जयपुर अपनी खूबसूरती और विरासत के लिए जाना जाने वाला गौरवशाली गुलाबी नगर बना रहेगा, या फिर अपनी ही

- सर्वे कर दो सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट व चार सप्ताह में सड़कों की मरम्मत का समयबद्ध प्लान पेश करने को कहा।

बुनियादी ढांचे की कमी से ढहते हुए, एक डूबते हुए शहर में बदल जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव, प्रमुख यूडीएच सचिव, जेडीसी, हेरिटेज और ग्रेटर नियम आयुक्त को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं, अदालत ने जेडीए और निगम आयुक्तों को निर्देश दिए हैं कि सडक़ों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

राजस्थान में स्कूल भवनों का ढहना- "आओ फूलों के जनाजे देखो"

आपने हमने जनाजो पर फूल चढ़ाते हुए तो बहुत देखे हैं, मगर खुद फूलों के जनाजे देखे तो दिल दहल गया। सात बच्चे जर्जर स्कूल की क्लास रूम मे दब कर मर गये और कोई हल्ला ना हुआ। सन्नाटा पसरा रहा है चारों और। उनके लिए ना कोई अगरबत्तियां जलाई गई ना ही कोई जुलूस निकाले गये। वे बच्चे गरीब थे इसलिये सरकार ने उनकी हैसियत देख कर उनकी जान की कीमत दस लाख लगाई गई। शिक्षा मंत्री घूम आये, दोषी को सजा देने का आश्वासन देकर। इतना बड़ा हादसा और कोई इस्तीफा नहीं, कोई दोषी नहीं। संवेदनायें मर चुकी हैं, हम स्वार्थी हो चले हैं। इतने बड़े हादसे के बाद तो लोगों को सड़कों पर उतरना चाहिये था मगर ये सम्भव नहीं था क्योंकि मृतको में हमारा कोई नहीं था।

छोटे-छोटे मासूम बच्चों का जब सामुहिक संस्कार हुआ तो मोक्ष धाम की धरती भी कांप गई। अधिकांश सरकारी स्कूल कांपती स्थिति मे है। एक सर्वे मे 90% सरकारी कर्मचारियों के बच्चे प्राइवेट स्कूल मे पढ़ते है। मतलब इन स्कूलों में उनके बच्चे भी नहीं पढ़ रहे जो यहां पढ़ा कर सरकारी शिक्षक बने बैठे हैं। सात बच्चों की दर्दनाक मृत्यु से मन बहुत विचलित और असहाय है। राजस्थान में सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतें एक के बाद एक ढह रही हैं, और इन हादसों में मासूम बच्चे और शिक्षक अपनी जान गंवा रहे हैं। अभी तो बरसात ने आधा सफर पूरा किया है मानसून पूरा होते होते क्या होगा सोच कर कंपकंपी छूट रही है। 28 जुलाई 2025 को जैसलमेर के हाबूर (पूनमनगर) में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के मुख्य द्वार का पत्थर गिरने से छुट्टी के समय एक मासूम छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई, और एक शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह खंभा पहले से ही जर्जर हालत में था, और इसकी मरम्मत के लिए कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। यह हादसा स्थानीय सत्ता रूढ़ पार्टी के विधायक छोटूसिंह भाटी के पैतृक गांव में हुआ है जो सरकार की उदासीनता को और भी शर्मनाक बनाता है। इससे ठीक एक दिन पहले, 27 जुलाई 2025 को जोधपुर जिले में एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढह गया। सौभाग्य से, उस समय कोई बच्चा या शिक्षक मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। लेकिन यह घटना इस बात का संकेत है कि राजस्थान के स्कूलों की स्थिति कितनी भयावह है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन को स्कूल की जर्जर हालत की जानकारी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। 25 जुलाई 2025 को झालावाड़ के पीपलोदी गांव में सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत और 28 अन्य के घायल होने की दिल दहला देने वाली घटना ने तो पूरे देश को झकझोर कर रख ही दिया है। यह हादसा सुबह 7:45 बजे हुआ, जब बच्चे प्रार्थना सभा के लिए इकट्ठा हो रहे थे। स्कूल की इमारत 78 साल पुरानी थी, और स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी जर्जर हालत की शिकायत की थी। बच्चों ने हादसे से पहले छत से कंकड़ गिरने की बात शिक्षकों को बताई थी, लेकिन शिक्षकों ने इसे नजरअंदाज कर बच्चों को डांटकर चुप करा दिया। इस हादसे में मरने वाले आठ बच्चे 8 से 11 साल की उम्र के थे, और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल होकर घ्ण्ळ में भर्ती हैं। झालावाड़ हादसे के ठीक एक दिन बाद, नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र में खरियावास के सरकारी प्राथमिक स्कूल की छत अचानक ढह गई। सौभाग्य से, इस समय कोई बच्चा स्कूल में मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। लेकिन यह घटना इस बात का प्रमाण है कि स्कूल भवनों की जर्जरता पूरे राज्य में एक महामारी की तरह फैल चुकी है। स्थानीय लोगों ने गुस्सा जाहिर करते हुए सवाल उठाया कि अगर बच्चे मौजूद होते, तो कौन जिम्मेदार होता? राज्य के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने हादसे का नैतिक दायित्व लेते हुए कहा कि सरकार की प्रक्रिया से ही भवनों के मरम्मत का पैसा भेजा जाएगा। इसमें किसी को ऐतराज नहीं हो सकता लेकिन हम हादसों का इन्तजार क्यों करते हैं। सरकार को यह सब समय से पहले क्यों नहीं सूझता। राजस्थान में स्कूल भवनों के ढहने की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। 2023 में बीकानेर जिले के एक सरकारी स्कूल में छत का एक हिस्सा गिरने से तीन बच्चे घायल हो गए थे। इस घटना के बाद सरकार ने एक जांच कमेटी गठित की थी, लेकिन इसका कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। स्कूल की मरम्मत के लिए स्वीकृत राशि का उपयोग नहीं हुआ, और भ्रष्टाचार के आरोप लगे। 2022 में उदयपुर के एक सरकारी स्कूल में दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की, लेकिन दो साल बाद भी वह स्कूल जर्जर हालत में है। 2021 में जयपुर के एक सरकारी स्कूल में बारिश के कारण छत से पानी रिसने की वजह से दीवार ढह गई थी, जिसमें एक शिक्षक और एक बच्चा घायल हो गए थे। इस घटना के बाद सरकार ने सभी स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट का वादा किया था, लेकिन यह केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रह गया। इन घटनाओं के बाद सरकार ने हर बार जांच कमेटियां गठित कीं, मुआवजे की घोषणाएं कीं, और स्कूलों की मरम्मत के लिए बजट आवंटित करने का दावा किया। लेकिन वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश वादे हवा-हवाई साबित हुए। 2023 में बीकानेर हादसे के बाद स्वीकृत राशि का केवल 30% ही उपयोग हुआ, और बाकी राशि भ्रष्टाचार और प्रशासनिक देरी की भेंट चढ़ गई। उदयपुर हादसे के बाद घोषित 50 लाख रुपये का उपयोग आज तक नहीं हुआ, और वह स्कूल आज भी बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है।

इन ताजा हादसों ने राजस्थान सरकार की लापरवाही को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। शिक्षा विभाग की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 2,710 स्कूल भवनों को बड़े पैमाने पर मरम्मत की आवश्यकता है, और 2,256 स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि समस्या व्यापक और गंभीर है, हकीकत में यह आंकड़ा भी कागजी है वास्तविकता इससे अधिक खराब है। फिर भी, सरकार ने समय रहते इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। झालावाड़ हादसे में यह सामने आया कि स्कूल की इमारत को जर्जर भवनों की सूची में शामिल ही नहीं किया गया था। यह न केवल लापरवाही है, बल्कि एक आपराधिक कृत्य है। अगर शिक्षा विभाग को इस स्कूल की स्थिति की जानकारी नहीं थी, तो उनकी सूची कितनी विश्वसनीय है? क्या अन्य स्कूल, जो इस सूची में नहीं हैं, वाकई सुरक्षित हैं? शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने झालावाड़ हादसे को 'कांग्रेस का पाप' बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना चाहते हैं, अगर पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस की सरकार थी तो उससे पहले भाजपा की सरकार रही थी अतः यह बयान न केवल अनुचित है, बल्कि उस मानसिकता को दर्शाता है जो समस्याओं के समाधान के बजाय राजनीतिक दोषारोपण को प्राथमिकता देती है। क्या सात बच्चों की मौत और जैसलमेर में एक मासूम छात्रा की जान जाने के बाद भी सरकार का 'चरणबद्ध' भवनों की मरम्मत का दृष्टिकोण उचित है? क्या मासूमों की जान की कीमत इतनी सस्ती है कि सरकार भवनों धीरे-धीरे ठीक करने की बात करे? जैसलमेर हादसे में, जहां सरकार के अपने विधायक के अपने गांव में ही हादसा हुआ, सरकार की चुप्पी और भी अखरने वाली है। पिछले साल स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए 82 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, और इस साल यह राशि बढ़ाकर 175 करोड़ रुपये की गई। लेकिन यह राशि भी अपर्याप्त है, क्योंकि 2,710 स्कूलों की मरम्मत के लिए 254 करोड़ रुपये की जरूरत है, जो अभी भी वित्त विभाग में मंजूरी के लिए अटकी पड़ी है। यह प्रशासनिक देरी और भ्रष्टाचार का एक जीवन्त उदाहरण है, जो बच्चों की जान से खिलवाड़ कर रहा है।

> **राजस्थान में सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतें एक के बाद एक ढह रही हैं, और इन हादसों में मासूम बच्चे और शिक्षक अपनी जान गंवा रहे हैं। अभी तो बरसात ने आधा सफर पूरा किया है मानसून पूरा होते होते क्या होगा सोच कर कंपकंपी छूट रही है। इन ताजा हादसों ने राजस्थान सरकार की लापरवाही को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। यह समस्या केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है। देश भर में सरकारी स्कूलों की हालत खस्ता है।**

झालावाड़ हादसे के बाद पांच शिक्षकों और एक शिक्षा विभाग के अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई जरूरी थी, क्योंकि बच्चों की शिकायतों को नजरअंदाज करना और उन्हें डांटकर चुप कराना शिक्षकों की गैर-जिम्मेदाराना हरकत थी। लेकिन क्या यह हादसा केवल शिक्षकों की गलती का नतीजा था? शिक्षकों ने कई बार स्कूल की जर्जर हालत की शिकायत की थी, लेकिन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों ने भी अधिकारियों से मरम्मत की गुहार लगाई थी, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। शिक्षकों को निलंबित करना एक आसान रास्ता है, जो सरकार को अपनी जवाबदेही से बचने का मौका देता है। शिक्षक न तो इंजीनियर हैं, न ही उनके पास स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए बजट या अधिकार हैं। फिर उन्हें अकेले जिम्मेदार ठहराना कितना उचित है? शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन, और सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) की भूमिका को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है? जैसलमेर और जोधपुर हादसों में भी यही पैटर्न देखने को मिला, जहां सरकार ने तुरंत शिक्षकों पर कार्रवाई की, लेकिन असल जिम्मेदारों-प्रशासन और PWD-को छूने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह साफ है कि सरकार शिक्षकों को बलि का बकरा बनाकर अपनी नाकामी को छुपाने की कोशिश कर रही है। हां अगर यही हादसा किसी प्राइवेट स्कूल में हो जाता तो पूरा प्रशासनिक अमला स्कूल संचालक के खिलाफ सक्रिय हो जाता और अब तक उसे सलाखों के पीछे धकेल चुका होता और ताबड़तोड़ आदेशों और उपदेशों की बाढ़ आ जाती।

राजस्थान में स्कूल भवनों के ढहने की घटनाएं भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमता का परिणाम हैं। एक जगह सही कहा गया है कि "जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार" भारत की कटु सच्चाई है। झालावाड़ हादसे के बाद केंद्र सरकार ने एक बार फिर सभी राज्यों को स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट करने का निर्देश दिया, लेकिन यह केवल एक औपचारिकता भर साबित होगी, अगर इसका सख्ती से पालन नहीं किया गया। झालावाड़ हादसे में मृत बच्चों के परिवारों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और एक परिजन को संविदा पर नौकरी देने की घोषणा की गई है। जैसलमेर हादसे में भी सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है, लेकिन क्या यह मुआवजा उन मासूमों की जान वापस ला सकता है? एक पिता, छोटूलाल, ने अपने दोनों बच्चों-कान्हा और मीना-को झालावाड़ हादसे में खो दिया। एक आठ साल का बच्चा, कार्तिक, अपनी चार बहनों का इकलौता भाई था। अब उसकी बहनें किसे राखी बांधेंगी? जैसलमेर में मृत छात्रा के परिवार का दर्द भी कम नहीं है। ये बच्चे गरीब और बहुजन समाज से थे, जो निजी स्कूलों की मोटी फीस नहीं दे सकते। सरकारी स्कूल उनकी एकमात्र उम्मीद थे, लेकिन सरकार ने उनकी इस उम्मीद को भी धोखा दिया। जैसलमेर में यह तथ्य और भी दुखद है कि हादसा विधायक के अपने गांव में हुआ, फिर भी सरकार और प्रशासन खामोश रहे।

यह समस्या केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है। देश भर में सरकारी स्कूलों की हालत खस्ता है। ओडिशा में 12,343 स्कूल जर्जर हैं, महाराष्ट्र में 8,071, पश्चिम बंगाल में 4,269, गुजरात में 3,857, आंध्र प्रदेश में 2,789, मध्य प्रदेश में 2,659, और उत्तर प्रदेश में 2,238 स्कूल खराब हालत में हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि यह एक राष्ट्रीय संकट है, जिसे नजरअंदाज करना अब असंभव है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ हादसे के बाद एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई और सभी सरकारी भवनों की सुरक्षा समीक्षा के लिए एक कमेटी गठित की। यह कदम सराहनीय है, लेकिन यहां खानापूर्ति होकर न रह जाए? जैसलमेर और जोधपुर, झालावाड़ के हादसों के बाद भी सरकार की ओर से कोई ठोस बयान या कार्रवाई नहीं देखी गई। पहले भी ऐसी कमेटियां बनती रही हैं, और नतीजा शून्य रहा है। इस बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल भवनों की स्थिति पर स्वयं संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है उधर केंद्र सरकार ने भी देश भर के स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए हैं, जो 2021 के सुरक्षा दिशा-निर्देशों और 2016 के आपदा प्रबंधन निर्देशों के अनुसार होंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन निर्देशों का पालन होगा? क्या स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग इस ऑडिट को गंभीरता से लेंगे, या यह भी एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा? इस संकट से निपटने के लिए सरकार को तत्काल सुरक्षा ऑडिट करना होगा, जिसमें सभी सरकारी स्कूलों की जांच की जाए और जर्जर भवनों को तुरंत बंद कर बच्चों को वैकल्पिक व्यवस्था में पढ़ाया जाए। मरम्मत के लिए राशि को तुरंत जारी किया जाए, और इसके उपयोग में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए इतना ही नहीं भवन मरम्मत के लिए आपात निधी का भी प्रथक से प्रावधान हो जिसे जिला कलेक्टर स्वीकृत करने के लिए अधिकृत हों। मरम्मत कार्यों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी समिति गठित की जाए। केवल शिक्षकों को दोषी ठहराने के बजाय जिला प्रशासन, और PWD के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। स्कूल प्रबंधन समितियों और स्थानीय पंचायतों को भवन सुरक्षा और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित किया जाए। जर्जर स्कूलों को ध्वस्त कर उनके स्थान पर आधुनिक और सुरक्षित भवनों का निर्माण किया जाए। स्कूलों में नियमित रूप से आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल आयोजित किए जाएं।

अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो अगली दीवार कहीं और गिरेगी, और तब शायद सवाल पूछने वाला कोई नहीं बचेगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् और चिन्तक

गोस्वामी तुलसीदास : एक संत कवि के सामाजिक सरोकार

राजेश्वर सिंह

गोस्वामी तुलसीदास मध्यकालीन भारत की भक्ति काव्य परंपरा की सगुण शाखा के शीर्षस्थ कवि हैं। उन्होंने श्री रामचरितमानस, कवितावली , दोहावली सहित अनेकानेक ग्रंथों का प्रणयन किया जिसमें मानस की प्रतिष्ठा एक धर्म ग्रंथ के रूप में व एक कालजयी साहित्यिक कृति के रूप में आज तक बरकरार है और भविष्य में भी बनी रहेगी। मानस की अपार लोकप्रियता का आधार केवल धार्मिक नहीं है। इसमें व गोस्वामी जी की अन्य कृतियों में न केवल तात्कालिक परिवेश व जनजीवन के दुःख, कष्ट, पीड़ा, व्यथा और वेदना का सजीव चित्रण है वरन इनमें इसको सहन व शमन करने के लिए तमाम उपायों का प्रतिपादन किया गया है, जिनमें राम की भक्ति सर्व प्रमुख है। यह तुलसी के पालन पोषण, अध्ययन, चिंतन तथा समकालीन परिवेश से अर्जित संस्कार से उद्भूत समाधान है।

किंतु तुलसी यहीं पर नहीं रुकते। वह अकाल, दुर्भिक्ष, व्याधि व क्षुधाकुलता का वर्णन तो करते ही हैं पर उसके साथ ही राम राज्य के रूप में एक आदर्श राज्य तथा जनहितकामी शासन तंत्र की संकल्पना भी प्रस्तुत करते हैं जो कि तत्कालीन शासकों पर एक अप्रत्यक्ष प्रहार की श्रेणी में ही रखा जा सकता है। तुलसी जब कहते हैं कि "जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी, ते नृप अवसि नरक अधिकारी" तो उनकी निर्भीकता व स्पष्टवादिता की कल्पना करके दंग रह जाना पड़ता है।

तुलसी जीवन मरण के बंधन से मुक्ति की तलाश में किसी पर्वत की खोह या कंदरा में ध्यान साधना करने वाले संत नहीं थे। वह आम जनता के जीवन के दुःख व कष्ट से जुड़े हुए संत कवि थे। कवितावली में जब वह कहते हैं कि किसान के लिए खेती बाड़ी नहीं है, भिखारी के लिए भीख नहीं है, व्यवसायी के लिए वाणिज्य नहीं है और नौकर के लिए नौकरी नहीं है। जीविकाविहीन लोग एक-दूसरे से चिंतित होकर पूछ रहे हैं कि कहां जाएं और क्या करें, तो बरबस ही आज के हिंदुस्तान का चित्र आंखों के समक्ष समुपस्थित हो जाता है जहाँ स्थितियां पहले से भी ज्यादा विकट और विकराल हो गई हैं।

जन सामान्य के सुख-दुःख से तुलसी के अभिन्न जुड़ाव का कारण यह था कि उनका स्वयं का बचपन नारकीय अभाव, बुभुक्षा और भिक्षावृत्ति पर अवलंबित था। इसका साकार वर्णन वह कवितावली में करते हैं जब वे कहते हैं कि मैं धूप से बिलबिलाते हुए एक द्वार से दूसरे द्वार पर भिक्षाटन किया करता था व भिक्षा में मिले हुए अन्न के दानों को ही धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष रूपी चार फल समझता था। गरीबी व अभाव के इस स्वअर्जित व स्वानुभूत अनुभव के कारण ही वह आम जन के दैनिक जीवन की पीड़ा और अभाव को इतनी गहराई से अभिव्यक्त कर पाते थे।

विद्याध्ययन की समाप्ति के उपरांत जब उन्होंने काशी को अपनी कर्म भूमि बनाया तो वहां के पंडितों ने तुलसी को ब्राह्मण मानने से ही इनकार कर दिया। परिणामस्वरूप तुलसी की लेखनी से इन कालजयी पंक्तियों का प्रणयन हुआ जो कहती हैं कि चाहे तुम लोग मुझे धूर्त कहो या अवधूत, राजपूत कहो या जुलाहा, मुझे किसी की बेटी से बेटा नहीं ब्याहना है और न किसी की जाति बिगाड़नी है। तुलसी तो राम का प्रसिद्ध गुलाम है, जिसे अन्य लोग चाहे जो कहें, वह मांग कर खाता है और मस्जिद में सोता है, उसे किसी से भी कुछ लेना देना नहीं है।

एक तरफ प्रचंड दैन्य और दूसरी तरफ प्रखर आत्मविश्वास, यह तुलसी के व्यक्तित्व और चरित्र की विशेषता है। दीनता आई है, घोर अभावग्रस्त बचपन और जाति आधारित अपमान से और आत्मविश्वास आया है राम की भक्ति से। वह कहते हैं कि हम तो जन्म से ही जहर पीने वाले हैं जो लोगों की व्यंग और कटुक्तियाँ सुनते और सहते आए हैं। हम इसका लेश मात्र भी बुरा नहीं मानते क्योंकि अपना मूल्य व महत्व हम जानते हैं। उत्कट संघर्ष, आत्यन्तिक समर्पण व अद्भुत सृजनात्मकता पर आधारित अदम्य आत्मसम्मान की ऐसी प्रभावी अभिव्यक्ति अन्यत्र दुर्लभ है। तुलसी पर वर्ण व्यवस्था का संपोषक व स्त्री विरोधी होने के आक्षेप लगाए जाते हैं, किंतु यह आक्षेप लगाने वाले भूल जाते हैं कि आज के हिंदुस्तान में भी श्रमजीवी जातियों व स्त्रियों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति दयनीय ही है। आज भी उन्हें सामाजिक व्यवस्था में समानता पर आधारित सम्मान प्राप्त होना बाकी है।

यह सही है कि तुलसी अपने समय, परिवेश, पालन पोषण व संस्कार की सीमाओं का पूर्णरूपेण अतिक्रमण नहीं कर पाए लेकिन जब तुलसी के राम निषादराज गुह से बराबरी के आधार पर मित्रता करते हैं, शबरी के जूठे बेर खाते हैं, महापराक्रमी व बलशाली रावण का मुकाबला करने के लिए वनवासियों की मदद लेते हैं, तब इन सीमाओं का प्रत्यक्ष तो नहीं पर परोक्ष अतिक्रमण स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। नारी की स्थिति पर तुलसी की उक्ति "कत विधि सृजी नारी जग माहीं,पराधीन सुख सपनेहँ नाहीं" उक्त संपूर्ण समुदाय के प्रति तुलसी की मार्मिक अनुभूति का असंदिग्ध प्रमाण है।तुलसी के राम राज्य में स्वस्थ, संपन्न व सुखी नागरिकों की कल्पना तो है ही, ऐसे स्नानघाटों का विवरण भी है जहां चारों वर्णों के लोग एक साथ स्नान करते हैं। उनके राम एक सामंती राज्य के मुखिया हैं किंतु वह अपनी प्रजा को अभय दान देते हुए उन्हें अपने किसी भी अनीतिपूर्ण कार्य की बेहिचक आलोचना का अधिकार प्रदान करते हैं जो आज के तथाकथित लोकतांत्रिक राज्य में भी अकल्पनीय व असंभव है। तुलसी की भक्ति एक ऐसा धरातल है जो वर्ण, जाति, लिंग व सामाजिक स्थिति की तमाम विषमताओं का अतिक्रमण करती है और सबको मुक्ति का समान अधिकार प्रदान करती है।

तुलसी यह स्पष्ट रूप से कहते हैं कि जो लोग खुद से बढ़कर सीताराम को मानते हैं, उनके पांव का जूता बनाने के लिए तुलसी अपने तन का चमड़ा भी समर्पित करने को तैयार हैं और यह सीताराम और कहीं नहीं है वरन वे संपूर्ण जगत के समस्त नर नारियों में ही समाहित हैं, जिन्हें तुलसी दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। इस प्रकार तुलसी का काव्य आम जनजीवन की पीड़ा का गहराई से अनुभव करने वाला, जाति भेद, वर्गभेद व लिंग भेद के प्रति गहन आक्रोश की अभिव्यक्ति का तथा स्वातंत्र्य, समता व बंधुत्व पर आधारित आदर्श राज्य और समाज की संकल्पना का काव्य है। यह भारतीय जन की आशा, आकांक्षा व अपेक्षा का शाश्वत घोषणा पत्र है।

-राजेश्वर सिंह,
आईएएस (सेवानिवृत्त)

झालावाड़ हादसे के तुरंत बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों के लिये बजट की स्वीकृति दी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीपलोद स्कूल हादसे के दिन ही 3688 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट जारी किया

हिमांशु सिंह

हादसा होना बेहद दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें दोषियों के लिए माफी की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे हादसों से सबक लेकर भविष्य के लिए बेहतर चौकसी और समन्वय ही हादसे में मृत बच्चों को श्रृद्धांजलि होगी। झालावाड़ के पीपलोद स्कूल हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बहुत पीड़ा का अनुभव किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार के मुखिया का कर्तव्य निभाते हुए शोक की इस घड़ी में त्वरित फैसले लेकर ठोस कदम उठाए हैं जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

गत 25 जुलाई को हुए इस हादसे के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए सभी जिला कलेक्टर की बैठक ली, उन्हें सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए और उसी दिन शाम को साढ़े छह बजे प्रदेश के 3,688 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट जारी किया। प्रदेश के 1,936 विद्यालयों में मरम्मत, उन्नयन और विकास कार्यों के लिए 160 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं।

मेवात, डांग, मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम और विधायक कोष से भी मरम्मत के लिए राशि को 15 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में सरकारी कार्यालयों की मरम्मत के लिए 3 करोड़ रुपए मिलेंगे।

यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि सीएम शर्मा के निर्देशन में शासन और प्रशासन ने इस दुर्घटना के बाद बहुत स्विफ्ट रेसपोंस दिया। यह दिखाता है कि संकट में हम बस एक हैं और प्रत्येक संकट, खतरे को चुनौती के रूप में लेकर जीवटता के साथ इसका जवाब देना हम राजस्थानियों के जींस में है। इसमें नेतृत्व सबसे प्रभावशाली भूमिका निभाता है और यहां भजनलाल शर्मा ने दिखाया है कि नेतृत्व अथॉरिटी, आदेश देने से कहीं आगे की भूमिका में है और वह है।

आमजन के साथ तादात्म्य कर उनकी आंकांक्षा, चिंता और आशा को शासन की आंकांक्षा, चिंता और आशा का रूप लेकर लक्ष्य को समय पर प्राप्त करे। सभी जिलों से जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों व अन्य भवनों की सूची 2 घंटे में तैयार होना, तत्काल एस्टीमेट बनाना, इसे अप्रूव करवाना, वित्त एवं अन्य विभागों से आवश्यक प्रक्रियाओं की पूर्ति करवा कर कई प्रकार की स्वीकृतियां करवाना इसी सक्षम और जन उन्मुखी नेतृत्व का परिणाम है।

> **प्रदेश के 1,936 विद्यालयों में मरम्मत, उन्नयन और विकास कार्यों के लिए 160 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए**

गौरतलब है कि अजमेर जिले के 185, अलवर के 6, ब्यावर के 109, बारां के 48, भीलवाड़ा के 232, बीकानेर के 55, बूंदी के 22, चित्तौड़गढ़ के 51, दौसा के 153, डीडवाना-कुचामन के 260, धौलपुर के 5, डूंगरपुर के 16, हनुमानगढ़ के 168, जयपुर के 123, जालौर के 132, झालावाड़ के 118, झुंझुनूं के 289, करौली के 101, खैरथल-तिजारा के 24, कोटा के 37, कोटपुतली-बहरोड़ के 24, नागौर के 186, पाली के 141, राजसमंद के 81, सलूंबर के 198, सवाई माधोपुर के 120, श्रीगंगानगर के 114, सिरोही के 317, टोंक के 129 व उदयपुर के 344 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए बजट जारी किया गया है।

ठीक इसी तरह सीएम शर्मा के निर्देशों पर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने राज्य के 1936 विद्यालयों में मरम्मत, उन्नयन और विकास कार्यों के लिए 160 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से भवन मरम्मत, छत एवं दीवारों का सुदृढ़ीकरण, फर्श और शौचालय सुधार, बिजली एवं जल सुविधाओं का विकास, खेल मैदान का सुधार तथा कक्षाओं का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

इसके तहत अजमेर में 47, अलवर में 48, बालोतरा में 44, बांसवाड़ा में 57, बारां में 36, बाड़मेर में 60, ब्यवार में 29, भरतपुर में 35, भीलवाड़ा में 118, बीकानेर में 56, बूंदी में 35, चित्तौडगढ में 42, चूरू में 27, दौसा में 42, डीग में 30, धौलपुर में 59, डीडवानामेंकुचामन में 59, डूंगरपुर में 46, गंगानगर में 37, हनुमानगढ़ में 31, जयपुर में 174, जैसलमेर में 31, जालौर में 50, झालावाड़ में 51, झुंझुनूं में 44, जोधपुर में 72, करौली में 41, खैरथल-तिजारा में 11, कोटा में 76, कोटपुतली में 28, नागौर में 49, पाली में 62, फलोदी में 19, प्रतापगढ़ में 33, राजसमंद में 33, सलूंबर में 16, सवाई माधोपुर में 39, सीकर में 42, सिरोही में 27, टोंक में 32 व उदयपुर में 68 विद्यालयों की मरम्मत के लिए बजट जारी किया गया है।

दरअसल हम हमेशा इतिहास से सीखते आए हैं। पूरी मानव सभ्यता का क्रमिक विकास इसी गुण पर टिका हुआ है। कोई भी सिस्टम 100 फीसदी सुरक्षित नहीं होता लेकिन प्रयास हमेशा 100 फीसदी होने चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार यही कार्य कर रही है ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मानवीय करूणा, लचीलापन और नैतिकता की नींव पर खड़ी भजनलाल सरकार हमें आश्वस्त करती है कि हम ऐसे हादसों को परास्त कर आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर कल देंगे, उन्हें हमसे बेहतर नागरिक के रूप में विकसित करेंगे। बतौर सजग और जागरुक नागरिक, आओ ! हम भी अपने आसपास के वातावरण, भवन, घरों की स्थिति के लिए जागरुक बनें और ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति होने से रोकें।

हिमांशु सिंह राजस्थान सरकार में पीआरओ हैं और वर्तमान में झुंझुनू में कार्यरत हैं।

राशिफल गुरूवार 31 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:42 तक, साध्य योग रात्रि 4:32 तक, गर करण दिन 3:50 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:15 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा रात्रि 4:27 से आरम्भ होगी। आज गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती है। आज शीतला सप्तमी (सिन्ध) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:34 तक, चर 10:53 से 12:33 तक, लाभ-अमृत 12:33 से 3:52 तक, शुभ 5:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

मेष

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बना मन का भय समाप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

व्यावसायिक आर्थिक मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मिथुन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग और व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धन हानि का भय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में ध्यान देना ठीक रहेगा।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। घर-गृहस्थी के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

मीन

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

NABH ACCREDITED
H-2024-1409

फेफड़ों की अत्याधुनिक देखभाल, अब उदयपुर में पहली बार...

बेसिक और एडवांस्ड ब्रोकोस्कोपी

एवं उदयपुर में सर्वप्रथम

थोरैकोस्कोपी सूट अब PMCH में

अब फेफड़ों से सम्बंधित उपचार के लिए नहीं जाना पड़ेगा अहमदाबाद

पल्मोनोलॉजिस्ट्स की अनुभवी टीम

डॉ. सी.एस. पुरोहित
चेस्ट एवं टी.बी. रोग विशेषज्ञ

डॉ. सुनील कुमार
चेस्ट एवं टी.बी. रोग विशेषज्ञ

एडवांस्ड ब्रोंकोस्कोपी एवं क्रायो प्रोसीजर ~~₹50000~~ निःशुल्क

एडवांस्ड थोरैकोस्कोपी ~~₹50000~~ निःशुल्क

डॉ. अतुल लुहाडिया
इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट एवं चेस्ट एवं टी.बी. रोग विशेषज्ञ

निःशुल्क परामर्श व जाँच | निःशुल्क भर्ती | निःशुल्क चेस्ट CT-Scan & सीटी गाइडेड लंग्स बायोप्सी | निःशुल्क X-Ray, 2D Echo | निःशुल्क ब्रोंकोस्कोपी, ICDT प्रोसीजर | निःशुल्क स्पाइरोमेट्री, DLCO

उपलब्ध सुविधाएं

बेसिक ब्रोंकोस्कोपी सेवाएं
- ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज (BAL)
- बायोप्सी
- ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पिरेशन (TBNA)
- ट्रांस ब्रोन्कियल लंग बायोप्सी (TBLB)

थोरैकोस्कोपी सेवाएं
- डायग्नोस्टिक एवं थैरेप्यूटिक
- बायोप्सी • प्ल्यूरोडेसिस
- एड्हीसियोलाइसिस

- इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी की अत्याधुनिक तकनीकें
- स्पेशल नेगेटिव प्रेशर सूट (Negative Pressure Suite)
- 24x7 क्रिटिकल केयर और आईसीयू सुविधा
- एचडी वीडियो ब्रोंकोस्कोप एवं थोरेकोस्कोप उपकरण

एडवांस ब्रोंकोस्कोपी द्वारा उपचार
- पीडियाट्रिक ब्रोंकोस्कोपी • ब्रोंकोस्कोपी इन आईसीयू
- रिजिड ब्रोंकोस्कोपी • इलेक्ट्रोकॉटरी
- ट्रांस ब्रोन्कियल लंग क्रायोबायोप्सी (TBLC)
- क्रायो प्रक्रियाएं (क्रायो बायोप्सी, क्रायो एक्सट्रैक्शन)
- एपीसी (Argon Plasma Coagulation)
- ट्यूमर मास डिबल्किंग - वायुमार्ग से बड़ी गांठें हटाना
- फॉरेन बॉडी रिमूवल - श्वास नली में फंसी वस्तु निकालना
- भारी खून बहाव (Massive Hemoptysis) का प्रबंधन
- ग्लू थैरेपी - वायुमार्ग की ब्लीडिंग रोकने हेतु

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | RGHS राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को निःशुल्क वाहन की सुविधा

*नियम व शर्तें लागू।

पंजीकृत मरीज इस सुविधा का लाभ 31 अक्टूबर 2025 तक उठा सकते हैं

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, एन.एच.-27, प्रताप पुरा, अम्बेरी, उदयपुर - 313011 (राजस्थान)

फोन : 8690541110, 8239278607

हाड़ौती में भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद, मध्यप्रदेश से संपर्क कटा

बूढ़ादीत थाना क्षेत्र के झाड़ गांव में कच्चा मकान गिरने से बुजुर्ग की मौत, सड़क पर आया मगरमच्छ

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में अति भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। बुधवार सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। कई जगहों पर बीते 40 घंटे से बारिश हो रही है। इसके चलते जलभराव जैसे हालात हो गए हैं। भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद हैं। वहीं मध्यप्रदेश से संपर्क कट गया।

हाड़ौती की बड़ी नदियों के साथ-साथ उनके सहायक नदियों में भी उफान आ गया है। ऐसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इसके अलावा गांव की खाड़ी (नाले) भी काफी उफान पर हैं, जिससे हादसे होने की आशंका है। इन नालों ने कई रास्तों को बंद कर दिया है। इनके तेज बहाव में पुलिया भी टूटकर बह गई, जिन्हें मिलकर हाड़ौती में 50 से ज्यादा रास्ते बंद हैं। बूंदी में लाखेरी के नजदीक कोटा-दौसा-लालसोट मेगा हाईवे पर मेज नदी की पुलिया पर खतरा बना हुआ है। पुलिया को फिलहाल बंद कर दिया है। इस रूट के ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है।

हाड़ौती में कालीसिंध, परवन, पार्वती, चंबल, अरू, पाटली, नांगली, ताकली, उजाड़, सुखनी, छापी, अंधेरी, रेणुका, कूल, बाणगंगा, चंवली, आहू व मेज नदी सहित अन्य सहायक नदियां भी उफान पर हैं। बारां के नाहरगढ़ एरिया पहले से ही मध्यप्रदेश से आ रहे पानी के चलते डूब में तब्दील हो रखा है। बारां जिले के छबड़ा की टॉवर कॉलोनी में भी पानी प्रवेश कर गया। बारां जिले के छबड़ा में भारी बारिश के चलते गूगल में किले की दीवार के पत्थर ढह गए। इसी तरह से केलवाड़ा के जैसवा के गांव में एक घर की छत गिर गई, हालांकि घर में सो रहे पांच सदस्य तुरंत बाहर चले गए थे। इसके अलावा कोटा के खातौली इलाके में भी बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। खातौली कस्बे में बाढ़ जैसे हालात में प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली करना शुरू कर दिया है। लगातार पार्वती नदी में पानी की आवक हो रही है। साथ ही प्रशासन मुनादी भी कर रहा है।

सड़क पर आए मगरमच्छ को रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ा।

थानाधिकारी मंशीराम बिश्नोई ने बताया कि लगातार पानी की आवक होने से एहतियात बरत रहे हैं। एसडीएम तहसीलदार अरुण सिंह सहित प्रशासन ग्रामीणों को सरकारी भवनों में शिफ्ट करवा रहे हैं और सतर्कता बरतने के लिए कह रहे हैं। पीपल्दा क्षेत्र में मदनपुरा, गोवर्धनपुरा, संग्रामपुरा, रघुनाथपुरा, डोली, नारायणपुरा, किरपुरिया, ख्यावदा, कजलिया सहित कई गांव टापू बन गए हैं।

कोटा के बूढ़ादीत थाना क्षेत्र के झाड़ गांव में एक कच्चे घर की दीवार ढहने से 79 वर्षीय खेमराज मीणा की मौत हो गई है। जबकि उनका मूकबधिर बेटा धनराज मलबा गिरने से घायल हो गया। सुल्तानपुर पंचायत समिति के सारोला पंचायत का कचनावड़ा गांव में बुजुर्ग की मौत हो गई थी। शमशान में टीनशेड नहीं था ऐसे में तिरपाल की मदद से अंतिम संस्कार किया गया।

चंबल नदी की झरेल की पुलिया पर पानी 22 जून से ही यह रास्ता बंद है। जिसे सवा महीने के आसपास हो गया है। इससे कोटा जिले के खातौली एरिया का सीधा संपर्क सवाई माधोपुर से टूटा हुआ है। वर्तमान में चंबल नदी की इस पुलिया पर पानी है। यहां पर स्थित झरेल के बालाजी का मंदिर भी पूरी तरह से जलमग्न है। मध्यप्रदेश सरकार ने खातौली के नजदीक पार्वती नदी पर पुल बनाया था। यह सबमर्सिबल पुल था जो इस बार बारिश में डूब गया है। इससे पहले राजस्थान सरकार का बनाया पुल भी अक्सर डूब जाया करता था। इस बार नया बना हुआ पुल जिस पर से इस साल ही ट्रैफिक शुरू हुआ था वह भी डूब गया है। इसके चलते मध्यप्रदेश का खातौली से संपर्क टूट गया है। कोटा जिले के अयाना के नजदीक पार्वती नदी की सुरताक क्वांजापुर की पुलिया पर पानी आ जाने के चलते कोटा का मध्यप्रदेश के बड़ौदा श्योपुर से संपर्क कट गया है। यह सड़क मार्ग का सबसे ज्यादा उपयोग बारां जिले के लोग मध्यप्रदेश के श्योपुर जाने के लिए करते हैं।

बूंदी जिले के लाखेरी के नजदीक मेज नदी की पापड़ी पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई है। इसे देखने

- **कोटा के खातौली इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं, प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली कराना शुरू किया**

के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद इस पुलिया पर से आवागमन फिलहाल रोक दिया गया है। बारां जिले में 14 रास्ते बंद हैं। कोटा जिले में सुकेत से जुल्मी रोड़, देवली मांझी से ढोटी, नोनेरा से नारायणपुरा, गैंता से कीरपुरा, चेचट से चंद्रपुरा रोड़ भी बंद हैं।

सड़क पर आया मगरमच्छ:- शहर के बजरंग नगर में नहर के नजदीक एक 9 फीट लंबा मगरमच्छ देर रात को पहुंच गया था। वन विभाग को भी इसकी सूचना मिली थी जिसके बाद मगरमच्छ का रेस्क्यू किया गया। फॉरेस्ट विभाग के वीरेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि वह मंगलवार देर रात करीब 1 बजे पहुंच गए थे। लेकिन भारी बारिश हो रही थी। इसके चलते रेस्क्यू करने में काफी समय लगा। इसके बाद उसे पौने तीन बजे रेस्क्यू किया गया। इसे ले जाकर वॉटर फिल्टर प्लांट शिवपुरा के नजदीक चंबल नदी में छोड़ा है। यह मगरमच्छ 9 फीट लंबा और करीब 100 किलो वजनी था।

मालाखेड़ा, सिलीसेढ़ व सरिस्का क्षेत्र में बारिश, खेतों में पानी भरा

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अलर्ट के दूसरे दिन बुधवार सुबह से घने बादल छाए रहे। दोपहर में मालाखेड़ा, सिलीसेढ़ व सरिस्का के क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई है।

लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बारिश होने से खेतों में पानी भर गया। अब बारिश होने से सिलीसेढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ने लगी है। वैसे भी बांध करीब दो से ढाई फीट तक खाली है। बांध भरने के बाद जयसमंद में पानी की आवक बढ़ेगी। तेज बारिश अलर्ट के कारण अलवर कलेक्टर

- **सिलीसेढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ने लगी**

ने दो दिन तक जिले में स्कूलों का अवकाश घोषित किया है। अलर्ट से पहली रात को जिले के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई थी। वहीं जिले के अन्य ग्रामीण हिस्सों में बुधवार तड़के करीब तीन बजे से सुबह आठ बजे तक लगातार पांच घंटे अच्छी बारिश हुई। इससे खेतों में पानी भर गया और किसानों के चेहरे खिल उठे। ग्रामीणों का कहना है कि इस बारिश से भूजल स्तर में सुधार आने की उम्मीद है। सबसे अधिक गोविंदगढ़ में 45, थानागाजी में 11, लक्ष्मणगढ़ में 22 और बाकी जगहों पर 2 से 11 मिमी बारिश हुई है। सिलीसेढ़ बांध में अब 26.3 फीट पानी है, जबकि 28.9 फीट के बाद ऊपरा चल सकेगी। जबकि अलर्ट से पहली रात को अलवर में 22, जयसमंद में 30, सोडावास में 24, सिलीसेढ़ में 21, राजगढ़ में 21 सहित अन्य जगहों पर भी हल्की बारिश हुई थी।

डिग्गी में दो युवक डूबे, तलाश जारी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ तहसील के रणधा गांव में बुधवार दोपहर में युवक पानी की डिग्गी में डूब गए। ग्रामीणों की मदद से व जेसीबी से युवकों की तलाश की जा रही है, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

आसपास के लोगों ने उनको पानी में तैरते हुए देखा था। कुछ देर बाद जब वो नजर नहीं आए तो उनकी तलाश करने पर डिग्गी के बाहर जूते चप्पल नजर आए। हादसा फतेहसिंह नामक किसान के खेत में हुआ। युवकों के पानी में डूबने की आशंका के चलते लोगों में सनसनी फैल गई, मगर डिग्गी गहरी होने के कारण वे पानी में नहीं उतर सके। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व झिनझिनयाली थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से व जेसीबी की मदद से युवकों की तलाश की जा रही है।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 14)/2025/ई-12004

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 14)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 49 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्ते विभागीय वेबसाइट www.:mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी RailTel की वेबसाइट www.://rajminorrccerce.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

(दीपक तंवर)
निदेशक

DIPR/C/10426/2025

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नम्बर 211, 212 व 219

क्रमांक निदे / अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (QL 2)/2025/ई-11996

नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत अप्रधान खनिजों के 193 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आंवटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
चित्तौडगढ	निम्बाहेडा	बिनोता	लाइमस्टोन (खण्डा, पट्टी, फर्शी)	14
			लाइमस्टोन (खण्डा, पट्टी, फर्शी)	2
	बेंगू	रावडदा	सैण्ड स्टोन	76
जोधपुर	शेरगढ़	शिवपुरा	सेण्ड स्टोन	51
डीडवाना-कुचामन	मकराना	मकराना	मार्बल	1
भीलवाडा	बिजौलिया	तिलिस्वां	सैण्ड स्टोन	2
		पचानपुरा	सेण्डस्टोन	28
		बिजोलिया खुर्द	सैण्ड स्टोन	4
		खड़ीपुर	सैण्ड स्टोन	3
		सुखपुरा	सेण्डस्टोन	12
		कुल प्लॉट		193

क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी मेसर्स रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड के enivida portal https://rajminorblocks.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

(दीपक तंवर)
निदेशक

DIPR/C/10452/2025

सवाई माधोपुर में बाढ़ के हालात

एसडीआरएफ की दो अलग-अलग टीमों ने चम्बल नदी और लटिया नाले में फंसे नागरिकों को रेस्क्यू किया।

सवाई माधोपुर, (निस)। जिले में लगातार हो रही मूसलधार वर्षा और जल स्त्रोतों के उफान के बीच बुधवार प्रातः एसडीआरएफ कमांडेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया के निर्देशन में एसडीआरएफ की दो अलग-अलग टीमों ने चम्बल नदी और लटिया नाले में फंसे 16 नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर जान बचाई।

प्रातः 5:10 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर भरतपुर की सी कम्पनी खण्डार थाना क्षेत्र में तैनात टीम सी-7 को मईकलां गांव में चम्बल नदी के तेज बहाव में फंसे ग्रामीणों के रेस्क्यू के लिए रवाना किया गया। वहीं हैडकांस्टेबल अशोक कुमार के नेतृत्व में 10 जवानों की टीम आपदा राहत उपकरणों एवं मोटर बोट के साथ मौके पर पहुंची। क्षेत्र में कोटा बैराज के गेट खोलने के कारण नदी उफान पर थी और गांव में पानी भर गया था। रेस्क्यू टीम ने त्वरित कार्रवाई करते

- **चम्बल नदी व लटिया नाले में फंसे 16 लोगों को बचाया**
- **ग्रामीणों के साथ 40 मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया**

हुए 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 4 बच्चों सहित कुल 9 नागरिकों को लाइफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित निकाला और नाव से सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। इसके साथ ही ग्रामीणों के 40 मवेशियों को भी बहाव से सुरक्षित बाहर लाया गया। इसी प्रकार दूसरी ओर सवाई माधोपुर शहर के समीप लटिया नाले के तेज बहाव में फंसे 7 नागरिकों को भी एसडीआरएफ की सी-08 टीम ने प्रातः पांच बजे सूचना मिलने के बाद प्रातः 5:50 बजे तक पहुंचकर सफलतापूर्वक बचाया। यह टीम रिजर्व पुलिस लाइन सवाई माधोपुर में तैनात थी और इसका नेतृत्व हैडकांस्टेबल धारा सिंह कर रहे थे। लटिया नाले का मिर्जा मोहल्ला और अंसारी मोहल्ला क्षेत्रों में 3 से 4 फीट पानी भर चुका था, जिससे कुछ मकान जलमग्न हो गए। रेस्क्यू टीम ने रस्सियों और लाइफ बॉय की मदद से बाढ़ग्रस्त मकानों तक पहुंच बनाई और सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने लटिया नाले के उफान से शहर के रैगर मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, अंसारी मोहल्ला, प्रजापत मोहल्ला, खटीक मोहल्ला व अन्य कॉलोनियों में हुई जलभराव की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई।

सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बढ़ते अवैध कब्जों पर कार्रवाई होगी

अलवर, (निसं)। सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में फैली बहुमूल्य वन भूमि पर बढ़ते अवैध कब्जों को लेकर अब प्रशासन सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रशासन को अब सरिस्का टाइगर रिजर्व के बफर जोन व क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) से एक किलोमीटर के दायरे में बने होटल व रिसॉर्ट पर कार्रवाई करनी होगी। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण पर अग्रिम कार्रवाई राजस्व और यूआईटी को करनी होगी। बाघों के संरक्षण में कोई बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रशासन अब अपना बुलडोजर बाहर निकालेगा और सिलीसेढ़, टहला, अजबगढ़ आदि एरिया में सरिस्का की जमीन पर हुए अतिक्रमण हटाए जाएंगे। वहीं, सरिस्का प्रशासन ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन से सरिस्का की जमीनों पर हुए अतिक्रमण का डेटा मांगा था।

- **केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण पर अग्रिम कार्रवाई राजस्व और यूआईटी को करनी होगी**

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरिस्का बफर में क्षेत्र में बने हुए होटल राजस्व और यूआईटी के क्षेत्र में हैं। जिला प्रशासन की ओर से किए गए सर्वे की रिपोर्ट के बाद उन्हीं विभागों को अग्रिम कार्रवाई करनी है। किसी भी प्रकार का काम, जो अवैध हो और जो बाघों के संरक्षण के लिए हानिकारक होगा, उसे होने नहीं दिया जाएगा। इससे साफ हो गया है कि अब प्रशासन को कार्रवाई आगे बढ़ानी होगी।

प्रशासन की ओर से कुछ माह पहले कराए गए सर्वे में पाया गया था कि सिलीसेढ़ में 14 होटल बफर राजस्व एरिया में बने हुए हैं। इसके अलावा अन्य प्रतिष्ठान भी बफर एरिया में बने हुए हैं, जिन्हें सर्वे में छोड़ दिया गया। अब वे भी सर्वे के दायरे में आएंगे। इसके अलावा टहला एरिया में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट से एक किलोमीटर के दायरे में 34 होटल आ रहे हैं। अजबगढ़ एरिया में भी 18 होटल व रिसॉर्ट हैं। इन सभी को किसी न किसी प्रकार से नोटिस तो जारी हुए, लेकिन उसके बाद प्रशासन ने इन सब मामलों को दबा दिया, लेकिन अब सरिस्का के संरक्षण की बात सामने आ रही है। पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण पर कार्रवाई के आदेश किए थे और अब भी मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। ऐसे में प्रशासन को अब आगे आना होगा।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
(स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ,बीकानेर)

क्रमांकः साविम / स्था / 2025 / 1475 दिनांकः 29.07.2025

आवश्यकता/सूचना

कुलसचिव, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पत्र क्रमांकः प.212 /SKRAU /Estt /Gr I /2025 /815 दिनांक 28.07.2025 के संदर्भ में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर स्नातक एवं स्नाकोत्तर के विद्यार्थियों को अकादमिक सत्र 2025-26 के प्रथम सेमेस्टर में विभिन्न विषय खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान, मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन, परिधान एवं वस्त्र विज्ञान, प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन और शरिरिक प्रशिक्षक शिक्षक को पढ़ाने हेतु अथिति संकाय के रूप में योग्य शिक्षकों की अंशकालीन आवश्यकता है। इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थी (स्नाकोत्तर के साथ NET अथवा Ph -D) या रिटायर्ड कॉलेज शिक्षक (70 वर्ष से कम आयु वाले) अपने बायोडाटा के साथ मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र और एक अतिरिक्त प्रतिलिपि सेट स्वः प्रमाणित साथ लेकर दिनांक 01.08.2025 को सुबह 10.00 बजे अधिष्ठाता कार्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में साक्षात्कार हेतु व्यक्तिशः उपस्थित होवे। अथिति संकाय शिक्षकों को विश्वविधालय नियमानुसार मानदेय देय होगा। चयन प्रकिया के समस्त अधिकार चयन समिति के पास सुरक्षित रहेगें।

अधिष्ठाता : सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर- 334006

राज.संवाद / सी / 25 / 7170 अधिष्ठाता

बारिश और अंधड़ से 100 साल पुराना पेड़ गिरा, कई वाहन क्षतिग्रस्त

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के मंगला चौक में बारिश और अंधड़ के चलते 100 साल पुराना पेड़ गिरने से कार और ऑटो क्षतिग्रस्त हो गये और बिजली के तार टूट गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार पुराने शहर भीलवाड़ा ने करीब 100 वर्षों पुराना पेड़ बारिश के बीच अचानक गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से एक कार और ऑटो क्षतिग्रस्त हो गये, जबकि कई विद्युत पोल और तार टूटने से क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। सूचना पर निगम की टीम मौके पर पहुंची और रोड क्लियर करवाया। हादसे की सूचना पर मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई। निगम और सिक्योर कंपनी की टीम ने पेड़ की कटाई कर उसे हटाने के इंतजाम किए। पेड़ की टहनियों से एक मंदिर का दरवाजा और सीढ़ियों को भी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

दिनांक :- 30/07/2025

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.9(1)41/CC/2022/ 2025-13 Dated 25.07.202 UBN No. MML2526GLOB00071	कसनाऊ मातासुख लिग्नाइट माइंस गांव-मातासुख तहसील-जायल नागौर में एक 11 / √3 केवी न्यूट्रल ग्राउंडिंग रेजिस्टर (एनजीआर) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण (निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कार्य)। अनुमानित मूल्य (रू.) 10.40 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 20,800/-, निविदा राशि- 1180/- अहस्तान्तरणीय जी.एस.टी. सहित। ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 500/- का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस.एल., जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/7178 उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/10881 दिनांक :- 28/07/2025

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 11/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में ए तथा एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ईप्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 04 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण :- 01 WAQ2526WSOB00166, 02. WAQ2526WSOB00167, 03. WAQ2526WSRC00168, 04. WAQ2526WSOB00169

राज.संवाद/सी/25/7188 अधिशाषी अभियंता - प्रथम

कार्यालय नगर पालिका मण्डल केशवराय पाटन जिला - बून्दी (राज0)

npalika3@gmail.com ph.no. 07438-264346

क्रमांक :- न0पा0के0पा0 / निर्माण / 2025-26 / 1305-1307 दिनांक :-25.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

नगर पालिका के0पाटन द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु नगर पालिका के0पाटन में पंजीकृत कार्यो के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत AA,A श्रेणी के संवेदकों से द्वी लिफाफा पद्वति/ई-निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 25.07.2025 से दिनांक 08.08.2025 प्रातः 9.00 बजे तक है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

Sr. No.	UBN No.	Sr. No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB12628	2	DLB2526WSOB12629
3	DLB2526WSOB12630	4	DLB2526WSOB12631
5	DLB2526WSOB12633		TENDOR COST - 24.65 LACS

राज.संवाद / सी / 25 / 7044 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

अवैध बजरी भरे तीन डम्पर जब्त, चालक गिरफ्तार

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के बीगोद थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम (डीएसटी) ने बजरी माफ़िया पर बड़ी कार्रवाई की है। बनास नदी की ओवरलोड अवैध बजरी परिवहन करते तीन डम्परों को जब्त किया है। पुलिस ने डम्पर चालकों को भी गिरफ्तार कर लिया है। खनिज विभाग ने डम्पर चालकों के खिलाफ बीगोद थाने में मामला दर्ज कराया है।

भीलवाड़ा की स्पेशल टीम ने बुधवार को जोजवा-धाकड़खेड़ी सड़क मार्ग पर जा रहे अवैध बजरी भरे ओवरलोड तीन डम्परों को जब्त किया और वाहनों को बीगोद थाने लाकर खड़ा कराया। पुलिस जांच के दौरान तीनों डम्पर के पास बजरी ओरिवहन के वैध दस्तावेज नहीं मिले।

डम्पर चालकों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि बनास नदी किनारे खटवाड़ा गांव के पास बजरी स्टॉक से जेसीबी से तीनों डम्पर में बजरी भरी गई और मध्यप्रदेश में सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी। सूचना पर खनिज विभाग के फोरमैन ने बीगोद थाने पहुंच कर तीनों अवैध बजरी के डम्पर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने डम्पर चालकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। खनिज विभाग के मुताबिक पुलिस कार्रवाई के साथ अवैध बजरी खनन ओर परिवहन करने पर जब्त डम्परों से 15 लाख 72 हजार राशि जुर्माना के रूप में वसूली जाएगी। वहीं परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड़ की अलग से कार्रवाई की जाएगी और स्टॉक संचालक व जेसीबी को भी जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अधेड़ से मारपीट की

भीलवाड़ा, (निसं)। रायपुर में खेत में पशु प्रवेश करवाने की रिपोर्ट दर्ज करवाने जाना अधेड़ को उस वक्त भारी पड़ गया, जब थाने के सिपाही दशरथ सिंह ने मारपीट कर दी, जिसके कारण अधेड़ का कान का पर्दा भी फट गया, जिसके बाद घायल अधेड़ को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहीं परिजनों ने एसपी से आरोपी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की मांग की है। घायल के परिजन जगदीश तेली ने कहा कि कोशिथल में रहने वाले मेरे साढू नंद लाल तेली के खेत में शंकर लाल तेली अपने मवेशी चरने के लिए छोड़ देता है, जिसकी उलाहना देने पर शंकर लाल ने नंद लाल से मारपीट की और जब हम इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाने रायपुर थाने में गए तो वहां बीट प्रभारी दशरथ सिंह ने शंकरलाल से सांठ-गांठ करते हुए हमारी रिपोर्ट लेने से इंकार कर दिया और 15 हजार रूपए की मांग रखी।

राजस्थान सरकार

कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, कोटा

नीलामी सूचना प्रकाशन 05/2025-26

क्रमांक-खअ/कोटा/अना./नीलामी/2025/684 दिनांक-21.07.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय खनि अभियन्ता कोटा क्षेत्राधिकार में विभिन्न राजस्व ग्रामों के खातेदारी/सरकारी खसरों में अवैध खनन/निर्गमन चैकिंग के दौरान आरएमएमसीआर 2017 के नियम 54 व 60 के तहत जब्तशुदा खनिज बजरी काली/बनास/मेसनरी स्टोन जैसी भी जितनी भी जहां भी है, उसी स्थिति में नीलामी हेतु दरे सीलबन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न तालिका व विभागीय वेबसाईट www.mines.rajasthan.gov.in एवं पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in तथा कार्यालय नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। उक्त नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी प्रपत्र राशि रूपये 100 का डी.डी./बैंकर्स चैक खनि अभियन्ता कोटा के नाम जमा कराकर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय खनि अभियन्ता, खनिज भवन, प्लॉट नं. 3, टैगोर नगर, रावतभाटा रोड, कोटा से प्राप्त किये जा सकते है।

नीलामी हेतु खनिज काली बजरी का संक्षिप्त विवरण

क्र. सं.	राजस्वग्राम एवं खसरा संख्या तहसील (जहाँ जब्तशुदा काली बजरी पडी है)	खनिज की अनुमानित मात्रा (टनों में)	बयाना/अमानत राशि (रू.में)	निविदा आमंत्रण तिथी	निविदा खोलने की तिथी	न्यूनतम बोली राशि (रू.में)/ प्रति टन
1	खसरा 643 किस्म खातेदारी ग्राम खेडीयामान तहसील इन्द्रगढ जिला बुंदी	80 टन	3600	04.08.2025	05.08.2025	450
2	खसरा 364 किस्म खातेदारी ग्राम खेडीयादुर्जन तहसील इन्द्रगढ जिला बुंदी	300 टन	13500	04.08.2025	05.08.2025	450
3	खसरा 757 किस्म बारानी खातेदारी ग्राम झालीजी का बराना तहसील के. पाटन जिला बूंदी	300 टन	13500	04.08.2025	05.08.2025	450
4	ग्राम सुल्तानपुर तहसील दीगोद जिला कोटा	30 टन	1350	05.08.2025	06.08.2025	450
5	खसरा सं. 1408/516 खातोली से सवाईमाधोपुर रोड ग्राम लाखनी जिला कोटा	30 टन	1350	05.08.2025	06.08.2025	450
6	खसरा सं. 01 ग्राम खातोली जिला कोटा	150 टन	6750	05.08.2025	06.08.2025	450
7	खसरा सं. 525 ग्राम खातोली जिला कोटा	100 टन	4500	05.08.2025	06.08.2025	450
8	खसरा सं. 03 ग्राम खातोली जिला कोटा	100 टन	4500	05.08.2025	06.08.2025	450
9	खासरा सं. 1342/57 खातोली से सवाईमाथोपुर रोड ग्राम खातोली जिला कोटा	80 टन	3600	05.08.2025	06.08.2025	450
10	खातोली इटावा रोड आवासीय कॉलोनी ग्राम खातोली इटावा जिला कोटा	870 टन	39150	05.08.2025	06.08.2025	450
11	खसरा संख्या 845 ग्राम गैंता तहसील पीपल्दा जिला कोटा	400 टन	18000	05.08.2025	06.08.2025	450
12	ग्राम राजपुरा बम्बूलिया मुख्य सडक की ओर	400 टन	18000	05.08.2025	06.08.2025	450
13	ग्राम राजपुरा तहसील पीपल्दा जिला कोटा	500 टन	22500	05.08.2025	06.08.2025	450
14	ग्राम हवा खेरली तहसील पीपल्दा जिला कोटा (हवा खेरली मुख्य सडक किनारे)	300 टन	13500	05.08.2025	06.08.2025	450
15	ग्राम फतेहपुरखुश्क तहसील तहसील दीगोद (सरपंच के घर के परिसर में)	20 टन	900	06.08.2025	07.08.2025	450
16	ग्राम मण्डावरा तहसील दीगोद जिला कोटा	80 टन	3600	06.08.2025	07.08.2025	450
17	ग्राम फतेहपुरखुश्क तहसील तहसील दीमोद	150 टन	6750	06.08.2025	07.08.2025	450
18	ग्राम झोटोली (सुल्तानपुरा मण्डावरा रोड के किनारे)	540 टन	24300	06.08.2025	07.08.2025	450
19	ग्राम झोटोली (सुल्तानपुरा मण्डावरा रोड के किनारे)	151 टन	6795	06.08.2025	07.08.2025	450
20	ग्राम आमोरा ग्राम पंचायत बमोरी तहसील दीमोद (सरपंच निवासी आमोरा के मकान के सामने)	210 टन	9450	06.08.2025	07.08.2025	450
नीलामी हेतु बनास बजरी का संक्षिप्त विवरण-						
1	ग्राम केशोपुरा तहसील पीपल्दा जिला कोटा	2016 टन	141120	07.08.2025	08.08.2025	700
2	पुलिस थाना महावीर नगर, जिला कोटा	68 टन	4760	07.08.2025	08.08.2025	700
3	पुलिस थाना उद्योग नगर, जिला कोटा	135 टन	9450	07.08.2025	08.08.2025	700
4	पुलिस थाना अयाना जिला कोटा	360 टन	10150	07.08.2025	08.08.2025	700
5	पुलिस थाना भीमगंजमण्डी जिला कोटा स्थान उम्मेद सिंह स्टेडियम	145 टन	10150	07.08.2025	08.08.2025	700
6	पुलिस थाना बोरखेडा, जिला कोटा	99 टन	6930	07.08.2025	08.08.2025	700
7	पुलिस थाना रेल्वे कॉलोनी, जिला कोटा	160 टन	11200	07.08.2025	08.08.2025	700
8	कार्यालय परिसर खनिज भवन, टैगोर नगर, प्लॉट नम्बर 3, रावतभाटा रोड,कोटा	90 टन	6300	07.08.2025	08.08.2025	700
नीलामी हेतु मेसनरी स्टोन का संक्षिप्त विवरण						
1	खसरा संख्या 735 ग्राम दीपपुरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा	1250 टन	43750	07.08.2025	08.08.2025	350

समूहों में पडे जब्तशुदा खनिज काली बजरी/बनास बजरी/मेसनरी स्टोन की प्रत्येक समूह के लिए अलग-अलग बोली दरे सीलबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रण तिथी को प्रात 11 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालय खनि अभियन्ता खनिज भवन, प्लॉट नं. 3, टैगोर नगर, रावतभाटा रोड, कोटा के कमरा नम्बर 112 में प्राप्त की जायेगी। निर्धारित समय तक प्राप्त सीलबन्द निविदाएं कमेटी द्वारा निविदा खोलने की तिथी को प्रात 11 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खनि अभियन्ता कोटा कक्ष संख्या 114 में खोली जायेगी। नीलामी की शर्ते कार्यालय खनि अभियन्ता कोटा व विभागीय वेबसाईट www.mines.rajasthan.gov.in एवं पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हे।

DIPR/C/10479/2025 (आर.एन. मंगल) खनि अभियन्ता कोटा

संघ के वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद (भाईजी) पंचतत्व में विलीन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद के निधन पर शोक व्यक्त किया

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण पत्रिका के संरक्षक माणकचंद (भाई जी) का बुधवार को एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे एवं विगत एक माह से किडनी की बीमारी का इलाज ले रहे थे। बुधवार शाम को

- राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ समेत अनेक गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

झालाना मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में माणकचंद्र के छोटे भाई कमल चरखा समेत अनेक गणमान्य बंधु शामिल हुए।

इससे पूर्व पाथेय भवन में उनकी देह अंतिम दर्शन के लिए रखी गई, जहां राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उद्योग मंत्री राज्यवर्धनसिंह राठौड़ समेत अनेक गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके निधन से संघ परिवार, पाथेय परिवार एवं राष्ट्रवादी पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षित हुई है। उनका तपस्वी जीवन और कार्यों की प्रेरणा सदैव स्मरणीय रहेगी।

स्थित प्रज्ञ थे, जीया तपस्वी जीवन:

माणकचंद ने अपना सम्पूर्ण जीवन संघ कार्य को समर्पित करते हुए प्रचारक जीवन की कठिन साधना की। माणकचंद का जन्म 2 नवम्बर 1942 को नागौर जिले के कसारी-बड़ा गांव में हुआ था। 1966 में वे पूर्णकालिक प्रचारक बने और छह दशक तक राजस्थान सहित विभिन्न स्थानों पर संगठनात्मक, बौद्धिक एवं वैचारिक कार्य में संलग्न रहे।

वे पाथेय कण पत्रिका के प्रबंध संपादक के रूप में 34 वर्षों तक सक्रिय रहे। उन्होंने 1989 से पाथेय कण में प्रबंध संपादक की भूमिका निभाई और वैचारिक पत्रकारिता को नई दिशा दी। उनके संपादकीय नेतृत्व में यह पत्रिका भारतीय विचारधारा की मुखर और प्रतिष्ठित आवाज बनी।

आपातकाल के कालखंड में उन्होंने जेल यात्रा भी की और वैचारिक प्रतिबद्धता से कभी विचलित नहीं हुए। संघ के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन, संयम, सादगी और संतुलित दृष्टिकोण ने नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। पाथेय कण के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र निर्माण हेतु वैचारिक चेतना का दीप प्रज्वलित किया, जो दीर्घकाल तक स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी:

शर्मा ने स्व. माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिवार को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने स्व. माणकचंद के व्यक्तित्व को याद कर कहा कि उनका जीवन उच्च आदर्शों और सिद्धांतों के लिए समर्पित था। समाज में राष्ट्रीय चेतना और मूल्यों के प्रसार में उनके अतुलनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

पाथेय कण के संरक्षक माणकचंद के निधन पर देवनानी ने गहरा शोक व्यक्त किया

देवनानी ने माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धाजंलि दी:

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पाथेय कण के संरक्षक माणकचंद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। माणकचंद के निधन का समाचार सुनते ही देवनानी एसएमएस अस्पताल पहुँचे। देवनानी ने अस्पताल में माणकचंद की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धाजंलि दी।

'युवाओं में लोकतंत्र की बेहतर समझ बढ़ाने की पहल'

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने और समाधान खोजने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु शनिवार को राजस्थान विधान सभा में प्रात: 10 बजे से एक दिवसीय युवा संसद होगी। युवा संसद में जयपुर शहर के विद्यालयों के विद्यार्थी, संसद अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाते हुये राजस्थान विधानसभा के सदन में संसदीय प्रक्रियाओं पर वाद-विवाद करेंगे। देवनानी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी राष्ट्र की दिशा तय करने वाली शक्ति है। उन्हें यदि लोकतंत्र और संसदीय प्रक्रिया की सही समझ मिले, तो वे समाज के सजग प्रहरी बन सकते हैं। युवा संसद इसी दिशा में एक प्रयास है, जिससे छात्र-छात्राएँ केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर समाज और व्यवस्था को गहराई से समझ सकें।

दिन भर बारिश का दौर जारी रहा कभी तेज तो कभी फुहार। सावन के महीने में बारिश की झड़ी लगी रहने से सूरज भी नही निकला। सहर के लगभग सभी इलाके में सड़के दरिया बन गई , रेलवे स्टेसन अंडर पास व खाशा कोठी पर भरा बारिश का पानी।

1936 विद्यालयों में मरम्मत के लिए 160 करोड़ रुपये की स्वीकृति

जयपुर। झालावाड़ के पीपलोद स्कूल हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बहुत पीड़ा का अनुभव किया है। उन्होंने परिवार के मुखिया का कर्तव्य निभाते हुए शोक की इस घड़ी में त्वरित फैसले लेकर ठोस कदम उठाए हैं जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो ।

- हादसे के दिन ही 3688 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट जारी किया

गत 25 जुलाई को हुए इस हादसे के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए सभी जिला कलेक्टर की बैठक ली, उन्हें सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए और उसी दिन शाम को साढ़े 6 बजे प्रदेश के 3,688 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट जारी किया। प्रदेश के 1,936 विद्यालयों में मरम्मत, उन्नयन और विकास कार्यों के लिए 160 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं।

मेवात, डांग, मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम और विधायक कोष से भी मरम्मत के लिए राशि को 15 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में सरकारी कार्यालयों की मरम्मत के लिए 3 करोड़ रुपए मिलेंगे।

यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि सीएम शर्मा के निर्देशन में शासन और प्रशासन ने इस दुर्घटना के बाद बहुत स्विफ्ट रेसपोंस दिया। यह दिखाता है कि संकट में हम बस एक हैं और प्रत्येक संकट, खतरे को चुनौती के रूप में लेकर जीवटता के साथ इसका जवाब देना हम राजस्थानियों के जींस में है। इसमें नेतृत्व सबसे प्रभावशाली भूमिका निभाता है और यहां भजनलाल शर्मा ने दिखाया है कि नेतृत्व अथॉरिटी, आदेश देने से कहीं आगे की भूमिका में है और वह है, आमजन के साथ तादात्म्य कर उनकी आंकांक्षा, चिंता और आशा को शासन की आंकांक्षा, चिंता और आशा का रूप लेकर लक्ष्य को समय पर प्राप्त करे।

मुंबई साइबर क्राइम के नाम पर 80 लाख की ठगी

सोवन मंडल

जयपुर। साइबर ठगों ने अपनी शातिर चालों से अजमेर की बयासी वर्षीय एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया और डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर उनसे अस्सी लाख की भारी भरकम राशि ऐंठ ली। इस हाई-प्रोफाइल मामले में राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने मुख्य खाताधारक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बैंक खाते में ठगी की गई सारी रकम ट्रांसफर की गई थी।

पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना 23 नवंबर से 30 नवंबर 2024 के बीच हुई। ठगों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए महिला से संपर्क साधा और खुद को मुंबई साइबर क्राइम का अधिकारी बताया। उन्होंने महिला को डिजिटल रूप से गिरफ्तार होने का झांसा दिया और कानून की कार्रवाई से बचने के नाम पर उनसे अस्सी लाख अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

प्रकरण अजमेर में दर्ज होने के बाद इसे साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन राजस्थान, जयपुर को हस्तांतरित कर दिया गया। जिसके बाद जांच में तेजी आई। साइबर थाने की विशेष टीम ने ठगी गई राशि के लेनदेन का गहन विश्लेषण किया। जांच में पाया गया कि ठगी की गई पूरी अस्सी लाख की राशि एक ही बैंक खाते में स्थानांतरित की गई थी। यह खाता सोवन मंडल पुत्र संतोष (30) निवासी धूलिया हावड़ा पश्चिम बंगाल का था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सोवन मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। उससे आगे की पूछताछ जारी है।

रुडी का राजनीतिक अनुभव बनाम बालियान की क्षेत्रीय पकड़

- भाजपा के दो नेता आमने सामने, रुडी को मिल रहा सर्वदलिय समर्थन
- फ्रेंडली मुकाबले की आड़ में तीखी टक्कर, क्लब चुनाव बना चर्चा का केंद्र

जयपुर/नई दिल्ली। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव (प्रशासन) पद के लिए होने वाला आगामी चुनाव राजनीतिक हलकों और मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रतिष्ठित पद के लिए मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं के बीच है।

एक ओर हैं श्री राजीव प्रताप रूडी जो सात बार के सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और क्लब की कार्यकारी व्यवस्था में दो दशकों से सक्रिय नेतृत्वकर्ता, जिनकी प्रशासनिक दक्षता और समावेशी दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है।

दूसरी ओर हैं श्री संजीव बालियान, पश्चिम उत्तर प्रदेश से आने वाले पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री, जो क्षेत्रीय सांसदों और विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मतदाताओं के समर्थन से मैदान में हैं।

हालांकि दोनों ही पक्ष सरकार से समर्थन मिलने का दावा कर रहे हैं, लेकिन भाजपा की ओर से किसी भी प्रत्याशी के पक्ष में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

पार्टी ने इसे फ्रेंडली मुकाबले के रूप में सांसदों के विवेक पर छोड़ दिया है।हाल ही में संसद में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर'पर रात्रिकालीन चर्चा के दौरान एक दिलचस्प दृश्य देखने को मिला। बताया जाता है कि जब सदन में सांसद मौजूद थे, तो गृह मंत्री अमित शाह ने मुस्कुराते हुए श्री रूडी से पूछा कि इतनी रात को भी वोट मांग रहे हैं? और फिर स्वाभाविक जिज्ञासा से यह भी पूछा कि कैसा चल रहा है? राजनीतिक हलकों में इस प्रसंग को अघोषित समर्थन के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि इसकी कोई औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है।

विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस पर पोस्टर का विमोचन

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा है कि मानव तस्करी एक गंभीर विषय है और सरकार ने इसे रोकने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

शर्मा बुधवार को पुलिस मुख्यालय में विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर बच्चों की सुरक्षा विषय पर सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेंटर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन द्वारा आयोजित पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे ।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों में भी मानव तस्करी एवं महिला तथा बाल सुरक्षा विषय के महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गए हैं।

पांच सदस्यीय कमेटी डेयरी बूथ आवंटन पॉलिसी में करेगी संशोधन

जयपुर। राजस्थान में सरस की डेयरी बूथ आवंटन को लेकर पॉलिसी में आवश्यक संशोधन किया जाएगा। इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस संबंध में शासन सचिवालय में बुधवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत की

- बैठक में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत व अन्य अधिकारियों ने बूथ आवंटन नीति-2021 में संशोधन के सुझाव दिए

केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत(बांये) ने डेयरी सेवाओं के विस्तार एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से बैठक ली।

अध्यक्षता में डेयरी सेवाओं के विस्तार एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। पांच सदस्यीय कमेटी में पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, डीएलबी के डायरेक्टर जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्धाज, दुग्ध संघ, जयपुर के एमडी मनीष फौजदार को शामिल किया गया है। यह कमेटी बैठक में आए सुझावों के आधार पर प्रस्ताव तैयार करेगी।

बैठक में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत व अन्य अधिकारियों ने बूथ आवंटन नीति-2021 में संशोधन के सुझाव दिए। इनमें बूथ आवंटन हेतु आवेदन पत्र संबंधित जिला दुग्ध संघ में जमा कराने, नए डेयरी बूथों के स्थान आवंटन आरसीडीएफ/जिला दुग्ध संघ द्धारा गठित समिति द्धारा चिन्हित कर अंतिम सूचि जारी करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा प्रस्तावित डेयरी बूथ के लिए उसी क्षेत्र के पांच किमी. की परिधि के स्थानीय निवासी को प्राथमिकता देने, सेवारत सेना के जवान के परिवारिक सदस्य को आवेदन के लिए पात्र मानने संबंधी प्रस्ताव को नई नीति में शामिल करने का सुझाव दिया गया।

नए सरस पार्लर खोलने की संभावनाएं तलाशेगा आरसीडीएफ

बैठक के दौरान प्रदेश में नए सरस पार्लर खोलने के लिए आरसीडीएफ को संभावनाएं तलाशने के लिए निर्देशित किया गया। इसके लिए सरकारी चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, शैक्षिणक संस्थाओं, बस स्टेंड व रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर सरस पार्लर खोलने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि नए सरस पार्लर खोलने से न केवल आरसीडीएफ की आय में बढोतरी होगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से ही बजट घोषणा 2024-25 के तहत प्रदेशभर में 2500 नए सरस बूथ खोले जा रहे हैं। इसके तहत 2000 बूथों के लिए कुल 11536 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से जांच के बाद 7861 आवेदन पत्र आरसीडीएफ द्धारा अनुमोदित कर संबंधित निकायों को प्रेषित किए गए हैं। इसके अलावा विगत वर्षों के पैंडिंग 500 बूथों का निस्तारण स्थानीय निकाय स्तर पर लंबित है। इस प्रकार कुल 8361 लंबित आवेदन पत्रों का जल्द से जल्द निस्तारण कर लॉटरी के जरिए कुल 2500 बूथों के आवंटन के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित की गई है।

जमीनों को फर्जी दस्तावेज से बेचने वाली गैंग के दो भूमाफिया गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारत सरकार की ओर से जब्त जमीनों को सेबी के फर्जी दस्तावेज से बेचने वाली जालसाज गैंग के दो भू माफियाओं को गिरफ्तार किया है और साथ ही कर फर्जी दस्तावेज व सील मोहरे बरामद की है। इस गिरोह में दिल्ली-हरियाणा के सदस्य भी शामिल हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारत सरकार की ओर से जब्त जमीनों को सेबी के फर्जी दस्तावेज से बेचने वाली जालसाज गैंग के आरोपित प्रमोद कुमार तातेड (49) निवासी बिलाडा जिला जोधपुर और श्रवण रणवा उर्फ सुरेश रणवा (40) निवासी लोसल सीकर को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपित भूमाफिया प्रमोद कुमार तातेड (जैन) को पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ में उसने सरकारी जमीन को सेबी के फर्जी दस्तावेज से सौदा कर बेचना स्वीकार किया।

ग्रेटर निगम में चहेते ठेकेदारों को मिले टैंडर, अन्य के ठेके निरस्त

-कार्यालय संवाददाता-

- अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा पर भेदभाव का आरोप लगा रहे ठेकेदार
- ठेकेदार द्वारा ज्यादा रेट डाली गई थी, वह उंची दर पर कार्यादेश का दबाव बना रहा था, इसलिए टैंडर निरस्त किए गएः नितिन शर्मा

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम में चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए कुछ अफसर खुली दरियादिली दिखा रहे है। चुनिंदा ठेकेदारों को तो टेंडर के कार्यादेश तो दिए जा रहे है, जबकि अन्य फर्मों के ठेके निरस्त किए जा रहे है। हांलांकि अब कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी ने विवादित सभी टैंडर निरस्त करने की बात कही है। ज्ञात रहे कि पिछले दिनों हेरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी के अध्यक्ष रघुवीर शर्मा और अन्य ठेकेदारों ने आयुक्त से मुलाकात करके इस मामले की लिखित और मौखिक शिकायत की थी।

सूत्रों के मुताबिक ग्रेटर नगर निगम के विद्याधर नगर जोन में पिछले दिनों नाला सफाई और नाला निर्माण के कार्य के करीब 80 से 85 लाख रूपये के दो टैंडर हुए थे, जिसमें करीब 5 प्रतिशत कम रेट पर मैसर्स श्री बिल्डर्स और अन्य फर्म को कार्यादेश अधिषाषी अभियंता विविध बडाया ने जारी किया था।

जबकि विद्याधर नगर जोन में ही इसी तरह के नाला सफाई और नाला निर्माण व मरम्मत के अन्य करीब 4 से 5 टैंडर, जो कि मैसर्स कृष्णा बिल्डर्स एंड कॉन्ट्रेक्टर्स को मिले थे, उन्हें रद्द कर दिया गया। ठेकेदार अनिल अग्रवाल का आरोप है कि अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा ने जानबूझकर ठेके रद्द किए हैं, जबकि इन टैंडर्स में तय रेट से करीब 10 से 15 प्रतिशत दर कम डाली गई थी। जो कि प्राय: प्रत्येक टैंडर में सामान्यत: आती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिन टैंडरों में ग्रेटर नगर निगम को राजस्व का फायदा हो रहा था और रेट भी कम आई थी, उन्हें अधिकारियों ने निरस्त क्यों किया?

जब ठेका फर्म ने इसकी शिकायत हेरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी से की तो अध्यक्ष रघुवीर शर्मा के नेतृत्व में ठेकेदारों ने आयुक्त डॉ. गौरव सैनी से मुलाकात की। रघुवीर शर्मा ने आरोप लगाया है कि ग्रेटर नगर निगम में अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा इन दिनों अपनी मनमानी पर उतरे हुए है। वे किसी चहेते ठेकेदार को टेंडर देने के लिए कभी तो किसी निविदा को 5 प्रतिशत कम रेट पर भी खोलकर कार्यादेश संबंधित अधिशाषी अभियंताओं से दिलवा रहे है, जबकि दूसरी तरफ 10 से 20 प्रतिशत कम रेट के वाले टेंडर्स को निरस्त किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में अधीक्षण अभियंता के पास नियमानुसार 50 लाख रुपए से ऊपर के कार्यों से संबंधित पत्रावलियां भेजी जाती है, परन्तु ग्रेटर नगर निगम में इसके विपरीत छोटी से छोटी फाइलें अधीक्षण अभियंता नितिन शर्मा अपने पास मंगवा रहे है। चाहे फिर वह 1 लाख रूपये की हो या फिर 50 लाख रूपये की। जबकि राज्य सरकार ने 8 जनवरी 2015 को आदेश जारी कर एस.ओ.पी. बनायी थी। जिसमें प्रत्येक अधिकारी की वितीय निर्णय की क्षमता तय की गई थी।

इस मामले में अधिशाषी अभियंता नितिन शर्मा का कहना है कि ठेकेदार द्वारा ज्यादा रेट डाली गई थी, वह उंची दर पर कार्यादेश का दबाव बना रहा था, इसलिए टैंडर निरस्त किए गए हैं। जहां तक बात फाइलें मंगवाने की है तो उच्चाधिकारियों के निर्देश पर किसी फाइल को जांच के लिए जरूर मंगवाया गया होगा, परंतु प्रत्येक फाइल हमारे पास नहीं आती। यह हास्यास्पद भी है कि कोई एक अधिकारी ही पूरी फाइलें अपने पास मंगवाए।

इस प्रकरण में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी का कहना है कि जिन टैंडर्स में ज्यादा दर आयी थी, उन्हें निरस्त किया गया है। जहां तक विद्याधर नगर जोन में 5 प्रतिशत कम रेट पर कार्यादेश दिए जाने की बात है तो उस विवादित टैंडर को भी हम निरस्त करने की कार्यवाही कर रहे हैं।

'अधिकारी बाढ़ संभावित इलाको को सूचिबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम करें जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सकेशर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आपदा राहत प्रबंधन की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकतर बांध, नदियां, तालाब और जलाशय लबालब भर चुके हैं। ऐसे में अधिकारी इनके जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों को सूचीबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें तथा उन क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड लगाकर किसी भी तरह की दुर्घटना से रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें तथा आमजन की आवाजाही को ऐसे स्थानों पर निषेध किया जाए। साथ ही, रपट जैसे स्थानों पर पानी चलने के दौरान अस्थायी चौकी लगाकर वाहनों का आवागमन रोका जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन पूरी सक्रियता से काम करे। शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की कि बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और तेज बहाव वाले नदी-नालों को पार करने से बचें। साथ ही, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में तुरंत कंट्रोल रूम को जानकारी दें जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1070 तथा 112 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1077 का 24ग्7 संचालन किया जा रहा है। अधिकारी कंट्रोल रूम में आई शिकायतों पर त्वरित एक्शन लेते हुए आमजन को शीघ्र राहत पहुंचाएं। उन्होंने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने तथा वहां साफ पानी के साथ नियमित सफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए।

एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। कमल कुमार इंसा को जैसे ही सूचना मिलती है वह बना समय गंवाये ब्लड बैंक पहुँच कर जरूरतमंद के उपचार के लिए मददगार बनता है। अब तक कमल ने 78वीं बार एसडीपी डोनेट की।

खोया पाया

मेरा एक मकान 12/136 MIG स्वामी विवेकानंद नगर में स्थित है जिसका नियमितिकरण पत्र व अदेय प्रमाण पत्र खो गया है जिस किसी को भी मिले। सूचित करें। भवदीय संपर्क करें-9414176536

खोया पाया

कैलाश पुत्र हुकमाराम के नाम से राजस्थान आवासन मंडल का कार्यालय आदेश क्रमांक 368 दिनांक 6.5.2015 गुम हो गया है किसी को मिलने पर सूचित करें।

एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास व एलन की संयुक्त पहल पर शिक्षा संबल बैच का ओरियंटेशन

■ चयनित सरकारी स्कूल के हिन्दी माध्यम के 126 बच्चों की क्लासेज शुरू

कोटा, (निसं)। एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास एवं एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा संबल योजना के बैच का शुभारंभ व ओरिएंटेशन बुधवार को हुआ।

इस योजना के तहत चयनित 126 विद्यार्थियों के लिए यह दूसरा वर्ष है। ओरिएंटेशन में चयनित 126 विद्यार्थी अपने परिजनों के साथ मौजूद रहे। बारां रोड़ नयानोहरा स्थित एलन सुपथ कैम्पस के सुहास सभागार में हुए कार्यक्रम में इन विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का स्वागत किया गया।

किट बैग व पुस्तकें प्रदान की गई। इनकी क्लासेज सुपथ कैम्पस में लगेंगी। योजना के अंतर्गत एलन की ओर से नीट-2026 के लिए 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप पर निशुल्क शिक्षा एवं एल एन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की ओर से निशुल्क आवास व भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

योजना में शामिल होने के लिए देश के कई राज्यों के विद्यार्थी अपने परिजनों के साथ कोटा पहुंचे। इनमें मुख्यत: राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड से हैं।

कार्यक्रम में एलन के निदेशक एवं एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास के ट्रस्टी डॉ.गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी व डॉ.नवीन माहेश्वरी ने विद्यार्थियों व परिजनों का स्वागत कर उन्हें शुभकामना पत्र एवं किट बैग सौंपे।

डॉ.गोविन्द माहेश्वरी ने कहा कि शिक्षा संबल ऐसे परिवारों के लिए सम्बल है, जो अभाव में हैं। उनके सपने पूरे करने का एलन का संकल्प है। यहां उन्हें हर साधन और माहौल दिया जाएगा ताकि वे अच्छे से पढ़ाई कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अनुशासित होकर अपने परिजनों का सपना पूरा करने के लिए मेहनत करें। सफलता जरूर मिलेगी।

निदेशक राजेश माहेश्वरी ने चयनित सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगे बढ़ते रहने के लिए निरन्तरता जरूरी है। बड़ी परीक्षा भी बड़े संकल्प के साथ करनी है। हम आपको माहौल देंगे, आपको मेहनत करनी है।

यहां एक संकल्प यह भी लें कि आप सब जब अपना कॅरियर बना लेंगे तो किसी एक विद्यार्थी का कॅरियर बनाएंगे।

ट्रस्टी डॉ.नवीन माहेश्वरी ने कहा कि उन्होंने कहा कि इस प्रकल्प के प्रेरणास्रोत वैकुंठवासी लक्ष्मीनारायण माहेश्वरी हैं, जिन्होंने हमें शिक्षा का महत्व समझाया और परमार्थ में कार्य की सीख दी।

इसलिए ट्रस्ट का नाम एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास रखा गया है। शिक्षा में परमार्थ के उद्देश्य से निर्धन परिवारों की प्रतिभाओं के सपने पूरे करने के लिए शिक्षा संबल योजना प्रारंभ की गई है।

योजना के तहत पहले वर्ष में 126 विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिनमें 81 छात्राएं एवं 45 छात्र हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की ओर से नीट 2026 की निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है।

ओरिएंटेशन सेशन में एलन सिस्टम जाना:- शिक्षा संबल योजना के तहत निःशुल्क नीट कोचिंग के लिए चयनित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन सेशन भी आयोजित किया गया। एलन वाईस प्रेसीडेंट विजय सोनी नीट परीक्षा और एलन में दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

बिल्डिंग प्रिंसिपल अमित काबरा ने कैम्पस की व्यवस्थाओं और क्लासेज के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों व अभिभावकों को एलन की कार्यप्रणाली, एकेडमिक कैलेण्डर, उद्देश्य व स्टडी पैटर्न से अवगत करवाया।

अकेडमिक कैलेण्डर के बारे में बताया कि कोर्स कब शुरू होगा, कब समाप्त होगा।

टेस्ट और रिवीजन क्लासेज के शेड्यूल क्या रहेंगे। विद्यार्थियों से विशेष रूप से कहा गया कि पढ़ाई के दौरान स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

सार-समाचार

घर में भीषण आग लगी, काबू पाया

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी इलाके के माला रोड स्थित जनकपुरी में एक बंद घर में बुधवार सुबह अचानक से आग लग गई। आग की सूचना पाकर अग्निशमन विभाग की दो दमकले मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक घर का काफी सामान आग की चपेट में आने से जलकर खाक हो गया। घटना के समय मकान में कोई नहीं था और मकान मालिक कोटा से बाहर गये हुए थे। जानकारी के अनुसार मकान रेलवे से सेवानिवृत रेलवे अधिकारी संजय दलेला का बताया गया। मकान मालिक किसी काम से अहमदाबाद गये हुए थे, और बुधवार को ही अहमदाबाद से कोटा आ रहे थे तब बुधवार सुबह पड़ौसी से उन्हे मकान में आग लगने की सूचना दी। जिस पर उन्होंने कुछ लोगों को मौके पर भेजा और सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि माला रोड़ स्थित जनकपुरी में एक मकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर दो दमकलों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आने से रसोई व डाइनिंग रूम का काफी सामान जल गया, दो दमकलों की मदद से एक घंटे की मशक्क के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रथम दृष्टा से आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना सामने आया है।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

कोटा, (निसं)। श्रीराम मंदिर परिसर के माध्वसत्संग भवन में 24 जुलाई से चल रही श्रीमद् भागवत कथा का समापन बुधवार को हुआ। वहीं गुरूवार को पूर्णाआहुति व प्रसादी वितरण किया जायेगा। यह जानकारी श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक कुलदीप सक्सेना ने दी। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा में वृंदावन से आये हुए महाराज कथा व्यास राष्ट्रीय संत बाल योगी ब्रह्मानंद महाराज द्वारा कथा का वाचन किया गया। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथावाचक द्वारा परीक्षित जन्म, नृसंह अवतार, राम अवतार, श्रीकृष्ण अवतार आदि कथाओं का वाचन किया गया। श्रीमद्भागवत कथा के मुख्य यजमान देवेन्द्र कुमार सक्सेना व माध्वी सक्सेना थे। आयोजक कुलदीप सक्सेना ने बताया कि गुरूवार को समापन के अवसर पर प्रसादी वितरण की जायेगी।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के करीब दस महीने पुराने मामले में पोक्सो क्रम-4 न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक वन्दना नगर ने बताया कि नाबालिग पीड़िता के पिता ने 20 सितम्बर 2024 को शहर के एक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में कहा कि युवक उसकी नाबालिग बेटी को डरा-धमकाकर दो-तीन जगह ले गया और उससे दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया और मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया गया।

बढ़ती चोरियों के विरोध में रैली निकाली

भवानीमंडी, (निसं)। भवानीमंडी में बढ़ती चोरियों व चोरी के सामान बरामदगी की मांग को लेकर व्यापारियों ने आक्रोश रैली निकाली। व्यापारी जैन बोर्डिंग के यहां एकत्रित हुए और शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए रैली पुलिस थाना परिसर भवानीमंडी में पहुंची। आक्रोशित व्यापारियों ने पुलिस अधिकारियों से चोरी गए माल की बरामदगी की मांग को लेकर पुलिस उपाधीक्षक प्रेमचंद चौधरी को पत्र सौंपा गया। इस दौरान व्यापारियों ने काले कपड़े पहन कर काली पट्टी बांध कर काले झंडे लहराकर हुए आक्रोश रैली में चल रहे थे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। यह आक्रोश रैली व्यापार महासंघ भवानीमंडी के नेतृत्व में निकाला गया जिसमें शहर के व्यापारियों के अलावा अन्य नागरिकों ने भी भाग लिया है।

भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाईयां को बरामद किया

कोटा, (निसं)। राजस्थान में अवैध मादक पदार्थ तस्करी एवं प्रतिबंधित दवाईयों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाईयों को बरामद किया, साथ ही मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह दोनों कार्यवाही केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

टीम ने आवासीय परिसर व मेडिकल स्टोर पर कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित दवाईयों को बरामद किया, वही दूसरी कार्यवाही में एक व्यक्ति को रोककर उसके वाहन की तलाशी के दौरान प्रतिबंधित दवाईयां जब्त की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों की टीम गठित की गई गठित टीम ने अनुवर्ती कार्रवाई के दौरान जिला सीकर के तहसील दातारामगढ़ के गाँव-खाटू में एक आवासीय परिसर और मेडिकल स्टोर की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान आवासीय परिसर के विभिन्न हिस्सों में छिपाकर रखे गए कई डिब्बों और खुली पट्टियों में 10208 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और 9020 प्रतिबंधित अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद किए गए। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, बरामद प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और प्रतिबंधित अल्प्राजोलम टैबलेट को जब्त किया गया और एनडीपीएस एक्ट के तहत उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1122 जाहिर आम सूचना दिनांक - 30.7.25

आवास संख्या 3-एन-6 तलवण्डी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री नरेश चन्द्र सिंधवी पुत्र श्री माणक चन्द सिंधवी को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री नरेश चन्द्र सिंधवी पुत्र श्री माणक चन्द सिंधवी द्वारा दिनांक 19.12.1994 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्री नरेश चन्द्र सिंधवी पुत्र श्री माणक चन्द सिंधवी द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 24.12.2002 को मुख्तार आम आलेखित कर श्रीमती नीना सहगल पत्नी स्व. श्री टेंक चंद सहगल को अपना मुख्तार आम नियुक्त किया गया। श्रीमती नीना सहगल पत्नी स्व. श्री टेंक चंद सहगल मुख्तार आम श्री नरेश चन्द्र सिंधवी पुत्र श्री माणक चन्द सिंधवी द्वारा मुख्तार आम की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 04.01.2007 को श्री मनीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेक चंद सहगल एवं श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेक चंद सहगल को संयुक्त रुप से किया गया। श्री मनीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेक चंद सहगल एवं श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेक चंद सहगल का नाम दिनांक 30.03.2007 को विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री मनीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेक चंद सहगल की मृत्यु दिनांक 25.01.2015 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्री नीलांश सहगल पुत्र स्व. श्री मनीष सहगल द्वारा उक्त आवास में निहित अपने 1/2 अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 24.10.2016 को श्रीमती नीरु सहगल पत्नी स्व. श्री मनीष सहगल एवं जाहनवी सहगल पुत्री स्व. श्री मनीष सहगल के पक्ष में संयुक्त रुप से किया गया। श्रीमती नीरु सहगल पत्नी स्व. श्री मनीष सहगल एवं जाहनवी सहगल पुत्री स्व. श्री मनीष सहगल द्वारा उक्त आवास में निहित अपने 1/2 अविभाजित हिस्से का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 16.04.2019 को श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेकचन्द सहगल को किया गया। श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेकचन्द सहगल द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 3-एन-6 तलवण्डी कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेकचन्द सहगल का नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेकचन्द सहगल का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री आशीष सहगल पुत्र स्व. श्री टेकचन्द सहगल के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

पश्चिम मध्य रेल

कैटलॉग नं.: DKNT-IDG-25, अनुबंध का प्रकार : पार्किंग, ई-नीलामी की तिथि एवं समय: 14.08.2025 समय 12:00 बजे, कैटलॉग की विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

(हस्ता) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे,कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आम सूचना बाबत् बेदखली

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा मनोरमा शर्मा पत्नी श्री स्व. रमेश चन्द म.नं. 530, नामदेव धर्मशाला की लगी, मथुराधीश की हवेली, पाटनपोल कोटा के निर्देशानुसार आम सूचना जारी कर सूचित किया जाता है कि मेरी कोटा शहर में स्थित समस्त चल-अचल सम्पत्ति, दुकान, मकान आदि के मेरी पक्षकारा के पुत्र निलेश्वर शर्मा आत्मज श्री स्व. रमेश चन्द को समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है। शहर में कोई भी व्यक्ति निलेश्वर शर्मा को किसी भी प्रकार का नगद व सम्पत्ति की खरीद-फरोख्त का संव्यवहार नही करें। अन्यथा उसके नफा-नुकसान की जिम्मेदारी स्वयं की होगी। मेरे पक्षकारा का कोई लेना-देना नही होगा। सूचित हो।

दिनांक-30.07.2025

भवदीय

सत्यनारायण मेघवाल एडवोकेट

'आठवें वेतन आयोग का गठन करवाना संघ एवं एनएफआईआर की सबसे बड़ी उपलब्धि'

कोटा, (निसं)। 13 लाख रेल कर्मचारियों के साथ 40 लाख केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग का गठन करवाना वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ एवं एनएफआईआर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है। यह बात कोटा दौरे के दौरान जोनल महासचिव अशोक शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि तीनों मंडलों मे सिंगल यूनियन बनने के बाद रेलवे कर्मचारियों के प्रति यूनियन की जिम्मेदारी बढ़ गई है। अशोक शर्मा ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में रेलवे प्रशासन विफल रहा है, रेलवे में लोको पायलट व सहायक लोको पायल की काफी कमी है। उन्होंने कहा कि एनएफआईआर की सबसे बड़ी उपलब्धि यह भी रही है कि किसी भी बीमारी के लिये रेलवे कर्मचारी पूरे देश में कहीं भी रेलवे से अधिस्वीकृत प्राईवेट अस्पताल में रैफर केस में अपना उपचार करा सकता है। जोनल महासचिव अशोक शर्मा ने कहा कि रेल कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। ट्रेन मैनेजर केटेगरी के 4200 ग्रेड पे में 50:50 प्रतिशत के अनुपात में पदोन्नति के अवसर प्रदान करना, ट्रेकमेन्टेनर व सभी हेल्पर्स को 100 प्रतिशत इंटेक क्वोटे के तहत बोर्ड को पत्र लिखा गया है और संघर्ष अभी भी जारी है। वहीं वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ की केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति एवं मुख्यालय कार्यकारिणी कमेटी की बैठक का आयोजन जोनल अध्यक्ष सीएम उपाध्याय की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासचिव अशोक शर्मा के साथ-साथ कोटा, जबलपुर एवं भोपाल मण्डल के सैकड़ो रेल कर्मचारियों ने भाग लिया एवं 36 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1121 जाहिर आम सूचना दिनांक - 30.7.25

आवास संख्या 4-डी-15 तलवण्डी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री मोहन लाल जैन पुत्र श्री राम गोपाल जैन को किया गया था। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री मोहन लाल जैन पुत्र श्री राम गोपाल जैन की मृत्यु दिनांक 01.07.1991 को हो जाने के उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण दिनांक 27.03.1992 को श्रीमती शकुन्तला जैन के नाम किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती शकुन्तला जैन पत्नी स्व. श्री मोहन लाल जैन द्वारा दिनांक 31.03.1992 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती शकुन्तला जैन पत्नी स्व. श्री मोहन लाल जैन द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 31.03.1992 को मुख्तार आम आलेखित कर श्री रवि सुदन पुत्र श्री प्रेम प्रकाश सुदन को अपना मुख्तार आम नियुक्त किया गया। श्री रवि सुदन पुत्र श्री प्रेम प्रकाश सुदन मुख्तार आम श्रीमती शकुन्तला जैन पत्नी स्व. श्री मोहन लाल जैन द्वारा मुख्तार आम की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये बयनामा आलेखित कर दिनांक 20.04.1992 को श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री चम्पा लाल शर्मा को किया गया। श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री चम्पा लाल शर्मा का नाम दिनांक 03.02.1993 को बयनामा के आधार पर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री चम्पा लाल शर्मा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 15.01.2004 को श्री विमल चन्द जैन पुत्र श्री मांगी लाल जैन, श्री राजेश कुमार, श्री मुकेश कुमार एवं श्री प्रदीप कुमार पिसरान श्री विमल चन्द जैन को किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री विमल चन्द जैन पुत्र श्री मांगी लाल जैन की मृत्यु दिनांक 10.01.2024 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्रीमती रेखा पुत्री स्व. श्री विमल चन्द जैन पत्नी श्री भरत कुमार जैन द्वारा उक्त आवास में निहित अपने 1/4 अविभाजित हिस्से का रिलीज डीड अपने भाई श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन के पक्ष में करने हेतु श्रीमती विद्या प्रभावती जैन पत्नी स्व. श्री विमल चन्द जैन के पक्ष में दिनांक 28.04.2022 को मुख्तार आम दी गई। तत्पश्चात मृतक के वारिसानों में श्रीमती विद्या प्रभावती जैन पत्नी स्व. श्री विमल चन्द जैन मुख्तार खास श्रीमती रेखा पुत्री स्व. श्री विमल चन्द जैन पत्नी श्री भरत कुमार जैन, श्री राजेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन, श्री प्रदीप कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन एवं श्री मनोज कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन द्वारा उक्त आवास में निहित अपने 5/6 अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये स्वत्व परित्याग पत्र (रिलीज डीड) आलेखित कर दिनांक 17.05.2022 को श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन के पक्ष में किया गया। श्री राजेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन एवं श्री प्रदीप कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन द्वारा उक्त आवास का उपहार जरिये उपहार पत्र (दान पत्र) आलेखित कर दिनांक 23.05.2022 को श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन को किया गया। श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 4-डी-15 तलवण्डी कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, उपहार पत्र (दान पत्र), मुख्तार नामा खास एवं रिलीज डीड के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, उपहार पत्र (दान पत्र), मुख्तार नामा खास एवं रिलीज डीड के आधार पर श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन के नाम किए जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री मुकेश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री विमल चन्द जैन के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

विधिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार गीताराम मीणा पुत्र बजरंगा मीणा के स्वामित्व व आधिपत्य का एक भूखंड सं. 23 वाके रिद्धी सिद्धी नगर ग्राम देई तहसील नैनवा जिला बून्दी में स्थित है। उक्त सम्पत्ति के असल विक्रय पत्र दिनांक 30.06.2010 जो सुरेन्द्र कुमार व रमेश कुमार द्वारा निर्मला के पक्ष में किया गया था व असल विक्रय पत्र दिनांक 09.05.2011 जो निर्मला द्वारा राम बाई के पक्ष में किया गया था कही गुम हो गए है। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी संबंधित पुलिस थाने में दिनांक 24.07.2025 को दर्ज करवा दी गई है। यह कि उक्त भूखंड को मेरे पक्षकार द्वारा जना स्मॉल हाउसिंग फाईनेंस लि. शाखा कोटा में रहन रखकर ऋण लिया जा रहा है यह कि उक्त सम्पत्ति को रहन रखकर ऋण देने के संबंध में किसी आम व्यक्ति, बैंक, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता को 7 दिवस के भीतर सूचित कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अजय शर्मा एडवोकेट

पता-मकान नं. 1031, 1032, सुभाष नगर द्वितीय, कोटा (राज.)

मो. 7073030526, 8239229798

कोटा-मथुरा रेलखंड पर कवच 4.0 का इंस्टालेशन कर कीर्तिमान स्थापित

कोटा, (निसं)। भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को 30 जुलाई को भारतीय रेल के सबसे व्यस्ततम मार्गों में से एक दिल्ली-मुंबई मार्ग में पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत आने वाले कोटा-मथुरा रेलखंड पर स्थापित कर दिया गया है। यह देश में रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण से प्रेरित होकर कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को स्वदेशी रूप से डिजाईन, विकसित और निर्मित किया है। कवच 4.0 एक अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली है। इसे जुलाई 2024 में आरडीएसओ (रिसर्च डिज़ाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइज़ेशन) द्वारा स्वीकृति दी गई थी।

कई विकसित देशों को ऐसी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को विकसित और स्थापित करने में 20 से 30 वर्ष लग गए। कोटा-मथुरा रेलखंड पर कवच 4.0 बहुत कम समय में स्थापित किया गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। स्वतंत्रता के बाद 60 वर्षों तक देश में अंतरराष्ट्रीय मानकों की उन्नत ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों को स्थापित नहीं किया गया। अब कवच प्रणाली को हाल ही में चालू किया गया है, ताकि ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भारतीय रेल अगले 6 वर्षों के भीतर देशभर के विभिन्न रेल मार्गों पर कवच 4.0 को स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। अब तक 30,000 से अधिक लोगों को कवच प्रणाली पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान ने एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त 17 इंजीनियरिंग कॉलेजों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता किया है, ताकि बी.टेक पाठ्यक्रम में कवच को शामिल किया जा सकें।

ब्रेक प्रभावी रूप से लगाने में और कोहरे जैसी कम दृश्यता की स्थिति में सिग्नल देखने के लिए बाहर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें सारी जानकारी केबिन के अंदर लगे डैशबोर्ड पर दिखाई देगी।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में कोटा में हुए शोध की होगी प्रस्तुति

कोटा, (निसं)। टाईप वन डायबिटीज की (इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट डायबिटीज) 51वीं अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, जो 5 से 8 नवंबर तक मॉन्ट्रियल में, कनाडा में होगी उसमें कोटा के मधुमेह रोग विशेषज्ञ और विगत कई वर्षो से खासतौर पर टाईप वन बच्चों के लिए कार्य कर रहे डॉ. जी.डी.रामचंदानी के सात शोधपत्र शामिल किए गए हैं। जिसमें प्रमुख है 'टाईप वन मधुमेह में तीव्र जटिलताओं का सात साल का पूर्वव्यापी अध्ययन- दक्षिणी राजस्थान (2017-2024)' यह उल्लेखनीय है कि भारत से 'पहली बार' एक केंद्र से सात शोधपत्र को सम्मिलित किए गए हैं। डॉ.रामचंदानी के जिन शोध पत्रों को कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया है उसमे शामिल हैं-राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले टाईप वन डायबिटीज के बच्चों की चुनौतियाँ, इंसुलिन इंजेक्शन के प्रयोग से बच्चों में होने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभाव, बच्चों के इलाज में चुनौतियाँ, रणनीतियाँ और परिणाम प्रोफाईल, हाड़ौती के स्कूलों में बच्चों के प्रति स्कूल कर्मियों की अंतर्दृष्टि, दक्षिण राजस्थान के बच्चों के रोग विषयक और जनसांख्यिकीय प्रोफाईल व टाईप 1 मधुमेह में तीव्र जटिलताओं का 7 साल का पूर्वव्यापी अध्ययन-दक्षिणी राजस्थान (2017-2024) रामचंदानी डायबिटीज केयर एंड रिसर्च सेंटर, दोस्त डायबिटीज चाईल्ड केयर सोसाइटी एवं कोटा डायबिटीज वेलफेयर ट्रस्ट पिछले 20 वर्षों से टाईप वन डायबिटीज के बच्चों को निःशुल्क ग्लूकोमीटर, ग्लूकोस्ट्रिप्स, इंसुलिन और परामर्श प्रदान कर रहा है और अब तक 500 से अधिक बच्चों और उनके परिवारों का सहयोग कर रहा है। यह केंद्र सात से अधिक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा मान्यता प्राप्त है। डॉ.जी.डी.रामचंदानी ने बताया कि तीव्र जटिलताओं में प्रमुख रूप से डायबिटिक कीटो एसिडोसिस (शुगर बढ़ने की वजह से सांस में तकलीफ, पेट दर्द, उल्टियां, बुखार आना एवं पानी की कमी होना) तथा हाइपोग्लाइसिमिया (शुगर की लेवल 70 उह से कम हो जाना) होती हैं ये दोनों जटिलताओं को सही ईलाज से रोका जा सकता है।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2025/1378 दिनांक:-29.7.2025

नाम हस्तान्तरण स्वीकृति चाहने बाबत आम सूचना

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखंड संख्या-147-A लखावा आवासीय योजना का आवंटन प्राधिकरण के पत्र क्रमांक-297 दिनांक 30.12.2009 द्वारा श्री विष्णुदयाल जिंदल पुत्र श्री प्रसादी लाल जिंदल को आवंटित किया गया था। श्री विष्णुदयाल जिंदल के द्वारा श्री अभिताभ गोस्वामी पुत्र श्री डीएन गोस्वामी को उक्त भूखंड की कार्यवाही के संबंध में मुख्तारआम नियुक्त किया गया है। श्री अभिताभ गोस्वामी के द्वारा मुख्तारआम के आधार पर उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 23.08.2023 के द्वारा श्रीमती कविता गोस्वामी पत्नी श्री अभिताभ गोस्वामी को बैचान किया गया है। भूखंड क्रेता श्रीमती कविता गोस्वामी पत्नी श्री अभिताभ गोस्वामी द्वारा उक्त भूखंड के नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिन के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास/भूखंड संख्या-147 लखावा आवासीय योजना का नाम हस्तांतरण श्रीमती कविता गोस्वामी पत्नी श्री अभिताभ गोस्वामी नाम से जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक : ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/4856 दिनांक : 10.07.2025

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संजय कुमार अरोड़ा पुत्र स्व. श्री धनराज अरोड़ा, श्रीमती संतोष अरोरा पत्नी स्व. श्री सुरेन्द्र अरोरा, श्रीमती विजेता ओबेरॉय पुत्री स्व. श्री सुरेन्द्र अरोड़ा पत्नी श्री आशीश ओबेरॉय व चारु अरोड़ा पुत्री स्व. श्री सुरेन्द्र अरोड़ा निवासी भूखंड संख्या 33-बी न्यू कालोनी गुमानपुरा कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 33 एल.आई.जी.एच. गुमानपुरा कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तान्तरण कराने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 33 एल.आई.जी.एच. गुमानपुरा कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय सिटी इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट कोटा द्वारा पत्र क्रमांक ( )/Acctts/59/4156 दिनांक 29.04.1960 से श्री चेतन दास पुत्र श्री तोलाराम को किया गया। श्री चेतन दास ने उक्त भूखंड जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज तहरीर तारीख 19.02.1963 से श्री धनराज अरोड़ा पुत्र श्री तोताराम को विक्रय कर दिया। श्री धनराज अरोड़ा का देहावसान दिनांक 07.12.1995 को एवं उनकी पत्नी श्रीमती कुन्ती देवी का देहावसान दिनांक 15.06.1980 को हो जाने के उपरांत उनके विधिक वारिसान श्री संजय कुमार अरोड़ा एवं सुरेन्द्र अरोड़ा में से श्री सुरेन्द्र अरोड़ा का देहावसान दिनांक 20.11.2012 को हो जाने के उपरांत श्री धनराज अरोड़ा के विधिक वारिसान श्री संजय कुमार अरोड़ा एवं श्री सुरेन्द्र अरोड़ा के विधिक वारिसान श्रीमती संतोश अरोरा, श्रीमती विजेता ओबेरॉय व चारु अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी जो उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त, नगर निगम, कोटा दक्षिण

श्रीराम चरितमानस ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण आज

कोटा, (निसं)। श्रीराम मंदिर प्रबंधक समिति की ओर से आयोंजित श्रीराम चारित मानस ज्ञान प्रतियोगिता का पुरूस्कार वितरण एवं गोस्वामी तुलसीदास जयंति समारोह गुरूवार को मनाया जायेगा। श्रीराम मंदिर प्रबंधक समिति के अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कोटा उत्तर विधायक शांति कुमार धारीवाल होगे, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ममता तिवारी होगी एवं अध्यक्षता कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा करेंगे।

नाव में बैठकर मदनपुरा गांव पहुंचे कलेक्टर

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया बुधवार को इटावा उपखंड की पीपल्दा तहसील के मदनपुरा गांव पहुंचे।

गांव तक पहुंचने के मार्ग पर जलभराव के कारण जिला कलेक्टर एसडीआरएफ टीम के साथ नाव में बैठकर गांव तक पहुंचे और वहां हालात का जायजा लिया। समारिया ने बाइक पर बैठकर गांव का दौरा किया। उन्होंने जल स्तर बढ़ने की स्थिति में क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित निकालने और उनके पुनर्वास के इंतजामों के बारे में एसडीएम इटावा हेमंत कुमार घनघोर एवं पीपल्दा तहसीलदार अरुण सिंह से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की एक-एक टीम को खातौली में रुकने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर के निर्देश के बाद दोनों टीमें खातौली में रुकी हुई हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर राहत व बचाव कार्य त्वरित गति से चलाए जा सकें।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/ विज्ञप्ति दिनांक:-

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम डडवाडा में स्थित कृषि भूमि योजना चोपडा फार्म खसरा नं. 38 में स्थित भूखंड संख्या 99 आवेदक/आवेदिका श्री दिनेश गुप्ता व गिरिराज गुप्ता पिसरान स्व. श्री सुरेश चन्द गुप्ता निवासी गली नं. 4 चौपडा फार्म डडवाडा कोटा जंक्शन कोटा द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 2646 दिनांक 02.09.2003 को श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री लक्ष्मीचन्द गुप्ता के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 03.05.2006 तथा पत्नी मिथलेश कुमारी की मृत्यु दिनांक 06.01.2021 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान पुत्री लीना अग्रवाल, नीरू अग्रवाल, आशा रानी गुप्ता, पुत्र दिनेश गुप्ता, गिरिराज गुप्ता है। वारिसान लीना अग्रवाल, नीरु अग्रवाल, आशा रानी गुप्ता द्वारा जर्ये रजि. रिलीज डीड दिनांक 21.11.2023 को आवेदकों के पक्ष में किया गया है।

अत: श्री दिनेश गुप्ता व गिरिराज गुप्ता पिसरान स्व. श्री सुरेश चन्द गुप्ता के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/815 विज्ञप्ति दिनांक:-30.7.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि भूखंड संख्या 108 योजना हाडौती कालोनी ग्राम आनन्दपुरा उर्फ फूटातालाब खसरा नम्बर 75 का आवेदक श्रीमती शीला नामा पत्नी श्री विष्णु नामा निवासी 61-ए केशवपुरा सेक्टर-1 कोटा राज. द्वारा पट्टा जारी करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त पत्रावली का अवलोकन किया गया तो यह तथ्य सामने आये है कि खातेदार पुरुषोत्तम पुत्र श्री मथुरा लाल द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये इकरारनामा दिनांक 26.05.2013 से लालचन्द गुप्ता पुत्र श्री बिरधी चन्द गुप्ता को किया गया। क्रेता लालचन्द गुप्ता की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार 09.09.2015 को हो चुकी है। मृतक लालचन्द गुप्ता द्वारा अपने जीवनकाल में उपहार पत्र/वसीयतनामा दिनांक 16.07.2013 को अपने पौत्र राशुल गुप्ता पुत्र श्री दिनेश चन्द गुप्ता को किया गया। राशुल गुप्ता द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये इकरानामा दिनांक 27.11.2024 से आवेदिका के पक्ष में किया गया।

अत: श्रीमती शीला नामा पत्नी श्री विष्णु नामा के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर पालिका रावतभाटा, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपारा/भूमि/2025-26/1364 आपत्ति आमंत्रण सूचना दिनांक:-30.07.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पिता श्री मुरलीधर शर्मा निवासी रावतभाटा ने इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन मय शपथ पत्र एवं वांछित दस्तावेजों की स्व: प्रमाणित छायाप्रतियों को ऑनलाईन अपलोड कर नगर पालिका रावतभाटा की श्रीगणेश नगर आवासीय योजना के भूखंड संख्या 442 श्रेणी (ब) साईज 30x50 क्षेत्रफल 1500 वर्गफीट अर्थात 139.41 वर्गमीटर का नामान्तरण/हस्तान्तरण अपने नाम पालिका रिकार्ड में दर्ज करने हेतु निवेदन किया है।

प्रस्तुत दस्तावेज एवं पत्रावली अनुसार यह भूखंड पालिका द्वारा लाटरी दिनांक 31.12.2007 अन्तर्गत श्री नजीर मियां पिता श्री नौसे मियां निवासी रावतभाटा को आवंटित किया गया था, जिसकी सम्पूर्ण राशि एवं एकमुश्त 10 वर्ष की लीज राशि जमा होने के उपरांत आवंटी के पक्ष में लीज डीड क्रमांक 496 दिनांक 19.03.2008 व पंजीयन दिनांक 30.03.2008 को करवाया गया तथा इसके उपरांत मूल आवंटी ने पालिका से बिना विक्रय अनुमति प्राप्त किये उक्त भूखंड को श्रीमती इन्दु शर्मा पत्नी श्री अशोक कुमार शर्मा निवासी रावतभाटा को जरिये पंजीकृत विलेख दिनांक 21.04.2008 से विक्रय किया गया, जिसका नामान्तरण पालिका रिकार्ड में स्वीकृति पत्रांक 446 दिनांक 03.05.2013 से दर्ज किया गया है तथा इसके उपरांत उक्त नामान्तरिती ने उक्त भूखंड पालिका से विक्रय अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 03.07.2025 से आवेदक श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पिता श्री मुरलीधर शर्मा निवासी रावतभाटा को हस्तान्तरित किया गया है। जिसके आधार पर आवेदक के नाम इस खाली भूखंड का नामान्तरण/हस्तान्तरण नियमानुसार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

अत: उक्त भूखंड का नामान्तरण पालिका रिकार्ड में आवेदक के नाम दर्ज करने पर किसी भी व्यक्ति/विभाग/संस्था/बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति/उजर हो तो इस प्रकाशन से 07 (सात) दिवस के भीतर-भीतर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में मय साक्ष्य सबूत के अपनी आपत्ति/उजरदारी प्रस्तुत कर सकते है। आपत्ति अवधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रावतभाटा

शान निराली आके देखो कितना ये ज़ीशान है, 786/92 चाँदी की जाली में सोया मेवाड़ी सुल्तान है।

कुतबे ज़माना हज़रत विलायत अली शाह साहब उर्फ

दीवाना शाह साहब र. अ. का 84वां उर्स शरीफ

तारीखें उर्स : 6 सफर 1447 हिजरी, मुताबिक 01 अगस्त 2025 शुक्रवार (जुम्आ) से शुरु होकर 8 सफर 1447 हिजरी, मुताबिक 03 अगस्त 2025 बरोज रविवार सुबह कुल की फातेहा होगी। लिहाजा शिरकते उर्स फरमाकर फ़ैज़याब हों और अपना दामने उम्मीद भरें।

मिनजानिब :-वक्फ कमेटी, दरगाह शरीफ, दीवाना नगर, कपासन, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.) Phone No. : 01476-294212, 230212

निराश हूं, मांसपेशियों में एक अच्छी-खासी चोट आई है, जिनके नाम भी मैं ठीक से नहीं ले सकता है। **- बेन स्टोक्स**

इंग्लैंड के कप्तान, अपनी चोट के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

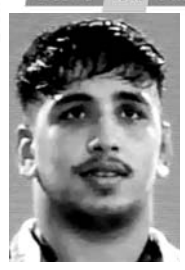

हरदीप

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के हरदीप ने 11 किलो ग्रामग्री को रोमन वर्ग में गोल्ड पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। फाइनल मुकाबले में हरदीप ने ईरान के यजदानर जाडेलरूज को कड़े मुकाबले में क्लाइटेरिया के आधार पर हराया, क्योंकि मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था। हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखस्तान के बाकतुर सोवेत खान को 2-0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस यारोस्लावटो मेल्का को 4-2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9-0 से पराजित किया।

क्या आप जानते हैं ?... ओवल पर 2021 में मिली जीत के 4 साल बाद अब मौका है एक और जीत दर्ज कर इतिहास रचने और रिकॉर्ड को सुधारने का।

सेंट एंसलम ने सीबीएसई वेस्ट जोन अंडर-17 शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब जीता

जयपुर, 30 जुलाई। रणनीति और धैर्य के रोमांचक प्रदर्शन में, सेंट एंसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मानसरोवर, जयपुर (राजस्थान) की टीम सीबीएसई वेस्ट जोन अंडर-17 बॉयज शतरंज चैंपियनशिप 2025-26 की अपराजित चैंपियन बनकर उभरी, जिसका आयोजन 27 से 30 जुलाई 2025 तक टीएसएस इंटरनेशनल स्कूल, मुरैना (म.प्र.) में किया गया। पश्चिमी क्षेत्र के 37 शीर्ष विद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए, सेंट एंसलम की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और संभावित 14 में से कुल 12 मैच पॉइंट हासिल करते हुए स्विस-सिस्टम प्ले के 7 राउंड के बाद अंतिम स्टैंडिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। चैंपियन टीम में सिद्धांत चतुर्वेदी (कप्तान), विराज मंगल, आदित्य ध्यानी और ऋषि चतुर्वेदी शामिल थे। सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त इस प्रतिष्ठित अंतर-विद्यालय चैंपियनशिप में अपने विद्यालय को जीत दिलाने के लिए प्रत्येक टीम के सदस्य ने रणनीतिक गहराई और तीव्र एकाग्रता का संयोजन करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस चैंपियनशिप में अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग की टीमों ने भाग लिया, जो नियमों और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की गई थी। इसका आयोजन टीएसएस इंटरनेशनल स्कूल, मुरैना द्वारा किया गया। टीम की सफलता में वेब्स और रॉयल जयपुर शतरंज क्लब का भरपूर सहयोग रहा, जिनके शतरंज विकास में निरंतर प्रयासों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस जीत के साथ, सेंट एंसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जयपुर ने न केवल राजस्थान का नाम रोशन किया है, बल्कि इस वर्ष के अंत में होने वाली सीबीएसई राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप 2025-26 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फैडरेशन ऑफ इंडिया की जनरल बॉडी की मीटिंग सम्पन्न

जयपुर, 30 जुलाई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी रमेश सिंह ने बताया कि जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब सभागार में एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया की महत्वपूर्ण बैठक फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ आशुतोष पन्त की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष डॉ आशुतोष पन्त का स्वागत फेडरेशन के सीनियर उपाध्यक्ष जी एस राठौड़ ने शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ देकर किया। ''हर घर हॉकी अभियान'' पूरे राष्ट्र में प्रचार अभियान की तौर पर चलाया जाएगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय अध्यक्ष ने लिया और बताया कि इस नए खेल का प्रचार और प्रसार का इस अभियान से बेहतर तरीका नहीं हो सकता। टैलेंट अगर हम तक नहीं पहुंचता तो हमें टैलेंट तक पहुंचना जरूरी है। अध्यक्ष ने बताया कि एक छोटे टेस्ट के मध्यम से और समाचार पत्रों व चैनलों के माध्यम से विज्ञापन दे कर टैलेंट सर्च अभियान चलाया जाएगा। पूर्व हॉकी खिलाड़ी अगर इस खेल से जुड़ते हैं तो उन्हें खेल में कुछ विशेष अंक देखकर चयन प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाएगा।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने टीम में अपना नाम दर्ज करवाया

जयपुर, 30 जुलाई। नई दिल्ली में होने वाले 24 सितम्बर से 2 अक्टूम्बर 2025 तक होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 की द्वितीय सूची मे राजस्थान के खिलाडियो ने अपनी प्रतिभा कौशल से बनायी अपनी जगह। नई दिल्ली में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में खिलाडियो ने कडी मेहनत करके अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओ के लिये चुनी गयी । यह राजस्थान के नागरिको व खिलाडियो के लिये गर्व की बात है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के खिलाडी प्रतिनिधित्व करेगें और राजस्थान व देश का नाम रोशन करेगे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में द्वितीय सूची में शूटिंग से चयनित खिलाडियो को बधाई एंव शुभकामनाएं देती है। हमे पूर्ण विश्वास है कि हमारे खिलाडी उत्कृष्ट प्रर्दशन करते हुये प्रतियोगिता मे पदक प्राप्त कर देश व राज्य का नाम रोशन करेगे। खिलाडी का नाम यशवर्धन सिंह, राजावत वाटिका, विनय प्रताप सिंह चन्द्रावत श्योपुर, कुशाग्रसिंह राजावत, दीपेन्द्र सिंह शेखावत, कुनाल शर्मा, साहिल चौधरी, सोमिल चौधरी।

महेन्द्र सिंह धोनी बने एको के निवेशक और ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली, 30 जुलाई। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब देश की सबसे तेजी से बढ़ती बीमा कंपनी एको से जुड़ गए हैं। उन्होंने एको में निवेश करने के साथ ही ब्रांड एंबेसडर की भूमिका भी निभानी शुरू कर दी है। यह साझेदारी दोनों की उस सोच पर आधारित है जो बीमा को हर व्यक्ति के लिए आसान और भरोसेमंद बनाना चाहती है। धोनी ने अपनी फैमिली फर्म मिडाज डील्स प्राइवेट लिमिटेड के ज़रिए एको में रणनीतिक निवेश किया है। यह निर्णय इस बात को दर्शाता है कि धोनी को एको के उद्देश्य में दृढ़ आस्था है - एक ऐसा बीमा अनुभव जो सरल हो, आसानी से समझ में आए और आधुनिक भारत के लोगों के लिए सुलभ हो। साझेदारी पर बात करते हुए एम.एस. धोनी ने कहा, एक ऑटोमोबाइल प्रेमी होने के नाते मुझे हमेशा लगा कि बीमा को बेवजह जटिल बना दिया गया है।

आरसीए एडहॉक कमेटी एक करोड़ रु. की राशि हॉकी भवन व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा का निर्माण हेतु देने को तैयार : कुमावत

जयपुर, 30 जुलाई। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडीएम स्थित आरसीए एकेडमी का बदलकर मेजर ध्यानचंद के नाम का प्रस्ताव दिया गया है जिसके समस्त क्रिकेट जगत व आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत और सदस्य आशीष तिवारी, पिंकेश पोरवाल, धनंजय सिंह खींवसर, मोहित यादव आरसीए एडहॉक कमेटी व खिलाडियों ने इस पर पुन: विचार किया जाए, इसलिए डा. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद जयपुर को एक लेटर लिखा है।

लेटर में बताया गया है कि आरसीए एडहॉक कमेटी मेजर ध्यानचंद को हॉकी के जादूगर के नाम से विश्वविख्यात है व हमारी पूरी टीम व क्रिकेट जगत उनका पूरा सम्मान करते है। कमेटी का अनुरोध है कि राजस्थान क्रिकेट संघ एक करोड़ रूपये की राशि सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित हॉकी मैदान में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा

(स्टेच्यू) व भवन निर्माण हेतु तत्पर है व कमेटी का मानना है कि हॉकी भवन व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा का निर्माण मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, साथ ही राज्य हॉकी के युवा खिलाडियों को प्रेरणा भी देगा।

समस्त क्रिकेट जगत व राज्य के युवा खिलाडियों की भावनाओं के अनुसार कमेटी का प्रस्ताव है कि सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए एकेडमी का नाम महाराजा रणजीत सिंह (फादर ऑफ इंडियन क्रिकेट) जिनके नाम से देश की सबसे प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता खेली जाती है रखा जाए। कमेटी का यह भी मानना है कि राज्य के पूर्व खिलाडियों व खेल प्रशासकों ने भी राज्य की क्रिकेट के उत्थान में हम योगदान दिया है जिसमे विषेश रूप से राज सिंह डूंगरपुर, हनुमंत सिंह, लक्षमण सिंह,किशन रूंगटा,पार्थसारथी शर्मा व जयपुर के महाराजा का भी खेल जगत में अहम् योगदान रहा है।

आरसीए ने स्टेडियम और एकेडमी पर 62.50 करोड़ खर्च किए थे

जयपुर, 30 जुलाई। आरसीए ने 2005 से 2008 तक सवाई मानसिंह स्टेडियम में विकास कार्य करवाया था जिसमें ग्रीन भवन का विकास 3 करोड़ रुपए, इनडोर स्टेडियम का विकास 3 करोड़ रुपए, अकादमी मैदान का विकास 2.5 करोड़ रुपए, अकादमी भवन का विकास 20 करोड़ रुपए, उत्तरी भवन का विकास 10 करोड़ रुपए, दक्षिणी भवन का विकास 10 करोड़ रुपए, एसएमएस स्टेडियम के मुख्य मैदान का विकास 6 करोड़ रुपए, रेस्टोरेंट का विकास 4 करोड़ रुपए, जिम का विकास 3 करोड़ रुपए और बीसीआर कक्ष का विकास 1 करोड़ रुपए का खर्चा आया था। कुल मिलाकर आरसीए ने 62.50 करोड़ रुपए खर्च कर ये सभी निर्माण कराया था। इसके अलावा 20 वर्षों में इस का मेंटीनेंस का खर्चा अलग है।

बुमराह की अनुपस्थिति में सीरीज में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

लंदन, 30 जुलाई। भारतीय टीम चौथा टेस्ट साहसिक ढंग से ड्रा कराने के बाद नए उत्साह से इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है। भारत और इंग्लैंड की टीमें गुरूवार को जब ओवल के मैदान पर उतरेंगी, तो बहुत कुछ दांव पर होगा। जहां पिछले मैच की ड्रॉ से उत्साहित भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपना बनाकर सीरीज को भी अपना बनाना चाहेगी। लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट का अंत बहुत नाटकीय ढंग से हुआ था और जिस तरह से ओवल में अभ्यास सत्र की शुरूआत हुई है, उससे इस मैच के भी बेहद ही रोचक होने की संभावना है। मैनचेस्टर और ओवल टेस्ट के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है, इसलिए वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे।

खेल भवन का नाम भी बदल सकते है

खेल विभाग ओर खेलो की बजाय सिर्फ क्रिकेट पर ही निशाना साधते नजर आ रहा हैं

जयपुर, 30 जुलाई। खेल विभाग ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के अंदर बने खेल विभाग का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद रख सकते हैं। वैसे भी जहां तक क्रिकेट अकादमी का सवाल है कि उसका नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद रखा जा रहा है, मेजर ध्यानचंद हॉकी खिलाड़ी थे ना कि क्रिकेट खिलाड़ी।

वैसे भी हॉकी ग्राउंड पर जब से एस्ट्रोट्फ लगा है तब से आज तक खेल विभाग द्वारा कोई चेंजिंग रूम, बाथरूम, खिलाड़ियों की कीट रखने का रूम, स्टाफ के बैठने की जगह तक नहीं बनाई गई है। क्रिकेट मैदान के बाहर और नए खेल भवन के बाहर इस बरसात में पानी भरा हुआ है उसकी निकासी का कोई इंतेज़ाम नहीं है। खेलो इंडिया में आने वाले खिलाड़ियों को इस बरसात में कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा ये तो वक्त ही बताएगा।

आखिर खेल विभाग सिर्फ क्रिकेट पर ही सारा ध्यान क्यों देता है जबकि साइक्लिंग वेलोड्रम की हालत किसी भी तरह छुपी हुई नहीं है। हर जगह टूटी फूटी दीवारें, ग्रास की कटिंग नहीं है। कैसे खिलाड़ी अपनी प्रैक्टिस करने आयेंगे।

यह है पूरा मामला

अब आरसीए एकेडमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एकेडमी का नाम मंगलवार को बदल दिया गया है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्थित आरसीए एकेडमी के नाम से पहचाने जाने वाला भवन अब मेजरध्यानचंद भवन के नाम सेजाना जाएगा। मंगलवार को खेल विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए। उल्लेखनीय है खेल विभाग के अधिकारियों ने सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए एकेडमी भवन का नामबदलकर उसका प्रस्ताव खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को भेजा था। जिस पर खेलमंत्री ने मंगलवार को स्वीकृति जारी कर दी है। ऐसे में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एकेडमी के नाम से पहचाने जाने वाला

भवन अब हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद

भवन के नाम से जाना जाएगा। राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया के अनुसार राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से सवाई मानसिंह स्टेडियम का एमओयू खत्म हो गया है। अब सवाई

मानसिंह स्टेडियम का स्वामित्व पूरी तरह से खेल परिषद के हाथों में है। ऐसे में खेल परिषद ने आरसीए एकेडमी भवन का नाम बदल मेजर ध्यानचंद भवन करने का फैसला किया था। इसके संबंध में उच्च अधिकारियों से स्वीकृति मिल चुकी है। इस एकेडमी का निर्माण 2005 में आरसीए के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने करवाया था। इस परिसर में क्रिकेट मैदान के साथ रेस्टोरेंट, जिम, तरणताल एवं ऑफिस के साथ-साथ खिलाड़ियों के रहने के कमरे भी शामिल है।

मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेडकोच के साथ बहस क्यों की : शुभमन गिल

लंदन, 30 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला गुरुवार, 31 जुलाई से होने वाला है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के हेडकोच गौतम गंभीर ओवल मैदान के पिचक्यूरेटर ली फोर्टिस से बहस के कारण चर्चा में हैं। इस मामले पर अब कप्तान शुभमन गिल की 5वें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस बीच गिल ने गंभीर और क्यूरेटर के बहस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

शुभमन गिल ने गंभीर और पिच क्यूरेटर की बहस पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेडकोच के साथ बहस क्यों की। शुभमन गिल ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि कल क्या हुआ था और पिच क्यूरेटर ने ऐसा क्यों किया। हमने चार मैच खेले हैं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश नहीं की। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है और कोच और कप्तान कई बार विकेट देखने गए हैं। मुझे नहीं पता कि इतना हंगामा किस बात का था।

गिल ने कहा कि, अगर कोई क्यूरेटर हमें विकेट को न देखने या तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहता है, तो ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हम लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को करीब से देखने की अनुमति है। ये कोच और कप्तान का काम है।

स्टोक्स ओवल टेस्ट से बाहर, पोप करेंगे इंग्लैंड की अगुवाई

लंदन, 30 जुलाई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भारत के खिलाफ 31 जुलाई से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह ऑली पोप टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे। इसके साथ ही ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर को आराम दिया गया है। गस एटकिंसन, जेमी ओवर्टन और जॉश टंग इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किए गए हैं। वहीं जेकेब बेथल भी अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

स्टोक्स ने मैनचेस्टर टेस्ट में 141 रनों की पारी खेलने के साथ ही पहली पारी में भारत के पांच विकेट, दूसरी पारी में एक विकेट हासिल किया था। स्टोक्स को उनके इस प्रदर्शन के चलते प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था।

स्टोक्स को ओवल टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव आया था जिसके चलते वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। हालांकि इंग्लैंड की बल्लेबाजी को लड़खड़ाता देख वह बल्लेबाजी करने के लिए

उतरे और उन्होंने दिन के खेल की समाप्ति तक 77 रन बना लिए थे। अगले दिन स्टोक्स ने अपनी पारी को आगे बढ़ाया और 141 रनों की पारी खेलकर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

हालांकि चौथे दिन स्टोक्स ने एक भी ओवर की गेंदबाजी नहीं की थी लेकिन अंतिम दिन उन्होंने खुद ही इंग्लैंड के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करने का फैसला किया। स्टोक्स ने कुल 11 ओवर की गेंदबाजी की और 33 रन देते हुए के एल राहुल का विकेट चटकाया। भारत ने यह मैच बचा लिया और इंग्लैंड मैनचेस्टर में सीरीज अपने नाम नहीं कर पाया। इंग्लैंड के सामने अब स्टोक्स की अनुपस्थिति में घर पर सीरीज जीतने की चुनौती होगी।

हेड और हेजलवुड की दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए वापसी

मेलबर्न, 30 जुलाई। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए सीमित ओवरों की टीम में वापसी कर चुके हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों की शुरुआत हो रही है। हेड और हेजलवुड दोनों को हाल ही में कैरेबियाई दौरे पर समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 5-0 से जीता था। वेस्टइंडीज के खिलाफ उस सीरीज के लिए मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस पर भी विचार नहीं किया गया था और व्यस्त घरेलू सीजन से पहले उन्हें आराम दिया जा रहा है। कमिंस की अनुपस्थिति के कारण, मिशेल मार्श दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम की भी कमान संभालेंगे। स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल के हाल ही में संन्यास लेने के बाद वनडे टीम में मध्यक्रम में जगह खाली होने के कारण, चयनकर्ताओं ने मिशेल ओवेन को पहली बार 50 ओवरों की टीम में शामिल किया है और हाल ही में वापसी करने वाले कैमरन ग्रीन को भी टीम में शामिल किया है। टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बावजूद, मार्नस लाबुशेन वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं।

अभिषेक टी-20 रैंकिंग में बने नंबर-1, विराट और सूर्यकुमार के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय

दुबई, 30 जुलाई। अभिषेक शर्मा, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के बाद आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने एक साल से ज्यादा समय में पहली बार यह शीर्ष स्थान छोड़ दिया है।

अभिषेक पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार टी20 शतक लगाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छा गए थे, लेकिन हाल ही में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने बल्लेबाजों की रैंकिंग में हेड को पीछे छोड़ दिया है और टी20 में नए नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं।

पिछले साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के दौरान सूर्यकुमार को पीछे छोड़ने के बाद से हेड नंबर 1 रैंकिंग पर थे, लेकिन कैरिबियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हालिया टी20 श्रृंखला से बाहर रहने के फैसले के बाद अभिषेक शीर्ष स्थान हासिल करने वाले भारत के केवल तीसरे खिलाड़ी बन गए।

हेड से पहले सूर्यकुमार शीर्ष रैंकिंग पर थे, जबकि कोहली टी20 क्रिकेट में यह प्रतिष्ठित स्थान हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी थे, जब उन्होंने 2014 और 2017 के बीच अधिकांश समय तक नंबर 1 स्थान बनाए रखा था।

हालांकि हेड टी20 बल्लेबाजों की अद्यतन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए, लेकिन हाल ही में घर से बाहर वेस्टइंडीज पर पांच मैचों की श्रृंखला में 5-0 की प्रभावशाली जीत के बाद उनके ऑस्ट्रेलियाई साथियों के एक बड़े समूह को बड़ी बढ़त मिली। दाएं हाथ के जोश इंगलिस टी20 बल्लेबाजों की सूची में छह स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर आ गए हैं, टिम डेविड 12 स्थान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर आ गए हैं, जबकि कैमरन ग्रीन पांच मैचों में 205 रन बनाने और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद 64 स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (सात स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर) और सीन एबॉट (21 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) टी20 गेंदबाजों की नवीनतम रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी (10 स्थान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर) ने दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे पर त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड की सफल जीत के दौरान कुछ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी सूची में तेजी से सुधार किया है। इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है क्योंकि युवा अभिषेक शर्मा सफेद गेंद के महान बल्लेबाज विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के साथ शामिल हो गए हैं।

मनीष व पारुल पुरुष व महिला एकल के विजेता

जयपुर, 30 जुलाई। सवाई मानसिंह स्टेडियम बैडमिंटन हॉल में आज संपन्न हुई राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में जयपुर के जंगजीत सिंह काजला ने दोहरे खिताब जीते। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक व एक रजत पदक जीता। उन्होंने बॉयज अंडर-19 डबल, मिक्स्ड डबल्स अंडर 19 के स्वर्ण पदक तथा बॉयज अंडर 19 सिंगल्स का रजत पदक जीता।

वही जयपुर के मनीष फौगाट ने मेंस सिंगल्स का स्वर्ण पदक तथा वूमेन सिंगल्स में चूरू की पारूल चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता तथा गर्ल्स सिंगल्स अंदर-19 में जयपुर की ही सौम्या भटनागर ने स्वर्ण पदक जीता।

बॉयज डबल्स अंदर-19 के फाइनल में जयपुर के जगजीत सिंह काजला व अरनव शर्मा की जोड़ी ने गुरतेज सिंह व यश सोनी की जोड़ी को आसानी से 21- 19 ,21 -10 से परस्त किया। वही मिक्स डबल्स के फाइनल में जंग जीत सिंह काजला व काव्या शर्मा की जोड़ी ने मुरली शर्मा व सुहासी वर्मा को 21 -19, 21-18 से परास्त किया लेकिन जगजीत सिंह काजला बॉयज अंडर 19 के एकल में जयपुर के ही गुरतेज सिंह वशिर से लंबे चले तीन गेम में 21-17 ,14 -21 ,9- 21 से हार कर उन्हें रजत पदक पर ही संतोष करना पड़ा। इस

तरहअंडर-19 बॉयज सिंगल्स में गुरतेज सिंह बशीर ने स्वर्ण पदक जीता।

पुरुष एकल फाइनल में जयपुर के मनीष फौगाट ने 21-7 ,16-21 ,21-8 तीन गेम में जयपुर के ही कार्तिक जैन को हरा फाइनल जीता वही चूरू की पारूल चौधरी ने वूमेन सिंगल्स एकल फाइनल में जयपुर की सुहासी वर्मा को सीधे व आसन गेम में 21-8, 21 -8 से परास्त किया। अंडर-19 गर्ल्स सिंगल्स में जयपुर की सौम्या भटनागर से फाइनल खेलते हुए चूरू की पारूल चौधरी रिटायर्ड होने के कारण 5 -3 पर ही मैच छोड़कर चली गई। इस कारण सौम्या भटनागर विजेता रही।

गर्ल्स अंडर 19 डबल्स फाइनल में जयपुर और जोधपुर की जोड़ी मोक्षिता भारद्वाज व तनीषा यादव ने कोटा व उदयपुर की जोड़ी अदिति शर्मा व साक्षी सिंह को हराया। वही मिक्स डबल्स फाइनल में उदयपुर की जोड़ी हर्ष चपलोत अन्दिता तामरा ने टोंक और राजसमंद की जोड़ी सचिन झांझरिया व तनीषा सिंह को हराया। वूमेन डबलस के फाइनल में टॉक और जयपुर की जोड़ी सुनील चौधरी उत्सवा पालेट ने टोंक की जोड़ी भावना शर्मा व सुमन शर्मा को फाइनल में हराया। वहीं मेंस डबल्स फाइनल में जयपुर और टोंक की जोड़ी आर्यन त्यागी वह मुरली शर्मा ने भुवन सिंह व राज शुक्ला भरतपुर जयपुर की जोड़ी को हराया।

आयोजन सचिव मनोज दासोत के अनुसार आज दोपहर हुए पारितोषिक वितरण में मुख्य अतिथि व शानदार बैडमिंटन खिलाड़ी रहे रिटायर्ड चीफ जस्टिस एन के जैन कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के के शर्मा ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहम्मद जाकिर हुसैन ज्वाइंट सेक्रेट्री राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन चंद्रेश शर्मा कार्यकारिणी सदस्य राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन तथा अतुल गुप्ता रहे। सभी विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को परितोषित के रूप में मेडल, सर्टिफिकेट, नगद राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में मनोज दासोत ने सभी खिलाड़ियों ,अंपायर, राजस्थान बैडमिंटन संघ के सभी पदाधिकारी तथा खिलाड़ियों के परिवार जनों को पूर्ण सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

एक बार फिर भारत ने पाक के साथ मैच खेलने से किया इंकार, सेमीफाइनल में होनी थी भिड़ंत

नई दिल्ली, 30 जुलाई। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के सेमीफाइनल में भारत चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ खेलने से एक बार फिर इनकार कर दिया है। ये मैच गुरुवार 31 जुलाई को होना था। भारतीय टीम का कहना है कि वे पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी तरह का मुकाबला नहीं खेलना चाहते। टीम ने पहलगाम में हुए भीषड़ आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है। भारत चैंपियंस ने मंगलवार के वेस्टइंडीज चैंपियंस को सिर्फ 13.2ओवर में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर उन्होंने पहले ही आपत्ति जताई थी। इससे पहले भी ग्रुपस्टेज का भारत-पाकिस्तान मैच रद्द कर दिया गया था। क्योंकि खिलाड़ियों और टूर्नामेंट के एक मुख्य स्पॉन्सर ने विरोध जताया था। वहीं गुरुवार को भारत ने एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर टूर्नामेंट का सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलना था।

महिला एशिया कप 2026 के लिए भारत ग्रुप-सी में

नई दिल्ली, 30 जुलाई। भारत को 1 से 26 मार्च, 2026 तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशिया कप 2026 के लिए जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। भारत अपने सभी ग्रुप चरण के मैच पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में खेलेगा। वे अपने अभियान की शुरुआत 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ करेंगे, उसके बाद जापान और वियतनाम के खिलाफ मैच होंगे। सिडनी टाउन हॉल में आयोजित समारोह में भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर, ऑस्ट्रेलिया की तामेका यालोप और कोरिया गणराज्य की जियोन यू-ग्योंग के साथ तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। कुल 12 टीमों को चार-चार के तीन समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें, साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें, क्वार्टर फ़ाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। ड्रॉ से पहले, भारत को नवीनतम फीफा रैंकिंग के आधार पर ईरान और बांग्लादेश के साथ पॉट 4 में रखा गया था। ब्लू टाइग्रेसेस, जिसने थाईलैंड, इराक, तिमोर-लेस्ते और मंगोलिया पर जीत के बाद एएफसी महिला एशिया कप क्वालीफायर में ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

अरुण को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

लखनऊ, 30 जुलाई। लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन के लिए भरत अरुण को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज, जिन्हें गेंदबाजी कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भारत की गेंदबाजी इकाई का मार्गदर्शन और प्रेरणा देने का श्रेय दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने वर्षा पीड़ित जयपुर शहर की स्थिति का निरीक्षण किया

उन्होंने सांगानेर थाने से मालपुरा गेट तक बनने वाली एलीवेटेड रोड की प्रगति जानी

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने बी-टू बाईपास, सांगानेर, सुमेर नगर, सूरजमल सर्किल, मुहाना मंडी, चौरडिया पैट्रोल पंप आदि स्थानों पर रूक कर जल भराव, क्षतिग्रस्त सड़कों, गड्ढों व ड्रेनेज सिस्टम की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार शाम को जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया और बारिश से उत्पन्न स्थितियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आमजन से भी फीडबैक लिया।

जयपुर, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार शाम को जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का लगभग ढाई घण्टे सघन निरीक्षण कर बारिश से उत्पन्न स्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने बी-टू बाईपास रोड, सांगानेर, सुमेर नगर, सूरजमल सर्किल, मुहाना मंडी, चौरडिया पेट्रोल पंप पर रुककर जलभराव, क्षतिग्रस्त सड़कों, गड्ढ़ों एवं ड्रेनेज सिस्टम से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

शर्मा ने बी-टू बाईपास रोड के पास द्रव्यवती नदी का अवलोकन किया और घने वृक्षों की छंटाई तथा नालों के फेरो कवर की मरम्मत करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कच्ची बस्ती के लोगों एवं बच्चों से बातचीत की और अधिकारियों को निचले क्षेत्रों में जल निकासी तथा आपात स्थिति में वहां के निवासियों के लिए भोजन व पेयजल की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में लोगों से मुलाकात की और शहर के जलभराव वाले स्थानों के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मुहाना मंडी चौराहे पर पहुंचकर जायजा लिया और अधिकारियों को चौराहे पर सर्कल निर्माण के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने महाराजा सूरजमल सर्किल व केसर नगर चौराहे पर क्षतिग्रस्त सड़कों के शीघ्र मरम्मत कार्यों के निर्देश दिए।

शर्मा ने निरीक्षण के दौरान सांगानेर क्षेत्र के विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने चौरडिया पेट्रोल पंप तिराहे पर रुककर सांगानेर थाने से चौरडिया पेट्रोल पंप और मालपुरा गेट तक बनने वाली एलिवेटेड रोड की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आमजन से भी फीडबैक लिया। साथ ही, उन्होंने चाय की दुकान पर रुककर चाय भी पी।

इस दौरान जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम ग्रेटर सहित, ऊर्जा, सार्वजनिक निर्माण, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर केन्द्र सरकार की इच्छाशक्ति को दर्शाता है- नड्डा

नयी दिल्ली, 30 जुलाई। राज्य सभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि देश में 2014 के पहले कई आतंकवादी हमले हुए, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गये, लेकिन 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद, जम्मू कश्मीर को छोड़कर शेष देश में आतंकवादी घटनाओं पर रोक लग गयी।

उन्होंने कहा कि देश में फौज और पुलिस तो वही होती है लेकिन सरकार के काम करने का तरीका उसकी राजनीतिक इच्छाशक्ति से परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि 2016 में उरी में जैश-ए-

- राज्यसभा में सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद जम्मू कश्मीर को छोड़कर शेष भारत में आतंकवादी घटनाओं पर रोक लग गई।

मोहम्मद ने आतंकवादी हमला किया था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कोझिकोड में कहा था कि उरी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जायेगा। इसके बाद सर्जिकल स्ट्राइक से उस हमले का जवाब दिया गया, जिसे सारी दुनिया ने देखा। केन्द्रीय मंत्री ने पहलगाम आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी ने बिहार के मधुबनी में एक जनसभा में कहा था कि पाकिस्तान ने बड़ी गलती कर दी है और उसे कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। इसी के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया।

किसी भी दुर्घटना में जनहानि की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जायेगी- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि एक विशेष कमेटी गत 6 वर्ष में बने भवनों की गुणवत्ता जाँचेंगी

जयपुर, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सभी विभाग क्षतिग्रस्त, जीर्ण-क्षीर्ण भवनों की तुरंत मरम्मत कराएं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि अब ऐसी किसी भी दुर्घटना में हुई जनहानि पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गत 6 वर्षों में बने सरकारी भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ियों की सूची बनाएं तथा एक विशेष राज्य स्तरीय कमेटी बनाकर निर्माण गुणवत्ता की जांच की जाए।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में अधिकारियों को जर्जर भवनों के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त भवनों की मरम्मत के लिए आपदा प्रबंधन मद से स्वीकृति प्राप्त की जाए तथा समय पर

- अधिकारियों की बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि प्रदेश के आंगनबाडी केन्द्रों की मरम्मत और रख रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाये तथा उनका अनिवार्य निरीक्षण किया जाये।

प्रस्ताव तैयार करके कार्य प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए भवनों के निरीक्षण, मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कार्मिक भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जर्जर भवनों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देना सुनिश्चत करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा इनका अनिवार्य निरीक्षण किया जाए। बैठक में बताया गया कि जीर्ण-क्षीर्ण एवं क्षतिग्रस्त आंगनबाड़ियों को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। शर्मा ने सार्वजनिक निर्माण विभाग, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, विशेष रूप से स्कूलों, अस्पतालों सहित अन्य सार्वजनिक भवनों का तत्काल निरीक्षण कर पूरी जानकारी के साथ जिलेवार रिपोर्ट बनाएं तथा मरम्मत कार्य करवाए जाएं।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा रसोई का अनुबंध निरस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में अनुबंध के तहत इंदिरा रसोई संख्या 329, नगर, डीग को संचालित करने का काम दिया गया। रसोई संचालन का यह काम उसे तीन साल के लिए दिया था। यह अवधि पूरी होने के बाद याचिकाकर्ता का अनुबंध- नवीनीकरण करते हुए उसे 20 अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया। इसी बीच उसे बिना कोई नोटिस और सुनवाई का मौका दिए, 16 जून 2025 को उसका अनुबंध बिना किसी कारण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि राज्य सरकार ने एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए उसका अनुबंध निरस्त किया है। ऐसे में राज्य सरकार के इस आदेश को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने अनुबंध निरस्त करने के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

विपक्ष का मानना है, दो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वर्तमान स्थिति पर भी सरकार ने कोई जानकारी नहीं दी या फिर उसके पास कोई जानकारी नहीं थी। इससे सरकार की तैयारी और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई प्रमुख सवालों के जवाब देने में असफल रही, जैसे आतंकवादी पहलगाम में घुसे कैसे और हमले के बाद कहाँ चले गए? क्या वे मारे गए, या अब भी फरार हैं?

विपक्ष ने सरकार द्वारा तीन आतंकियों के मारे जाने के दावे पर भी सवाल उठाया। विपक्ष ने पूछा कि भारत ने कितने लड़ाकू विमान इस संघर्ष में खोए? ट्रम्प की कथित मध्यस्थता के बाद हमला रोकने से भारत को क्या रणनीतिक लाभ मिला? इसके अलावा, विपक्ष ने इस संकट के दौरान चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नज़दीकी पर भी स्पष्टता की मांग की। इसके बावजूद, सरकार ने इस महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक पहलू को नज़रअंदाज़ किया, जबकि चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य और कूटनीतिक समन्वय के कई संकेत मौजूद थे।

कुल मिलाकर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मोदी सरकार की भूमिका ने जवाबों से ज़्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार की आक्रामक बयानबाज़ी, रणनीतिक स्पष्टता और कूटनीतिक स्थिरता से मेल नहीं खा रही। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जनता को सुरक्षा से जुड़ी समुचित जानकारी नहीं दी गई। यह एक ऐसी चूक है, जो न केवल जनता के भरोसे को कमजोर करती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती है।

राज्य उपभोक्ता ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश की पालना में पुलिस ने यूपी निवासी आरोपी सक्सैना को गिरफ्तार कर आयोग में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामले से जुड़े अधिवक्ता लोकेश शर्मा ने बताया कि आरोपी संजय सक्सैना सहित, अन्य के खिलाफ आयोग के अध्यक्ष जस्टिस देवेन्द्र कच्छवाहा ने गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्देश दिया था। वहीं, वारंट की पालना पुलिस आयुक्तालय को करने के लिए कहा था। इस आदेश की पालना में ही पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की। परिवादियों ने सहारा प्राइम सिटी, यानी सहारा सिटी होम्स में 2004 में आवासीय इकाइयां खरीदी थी, लेकिन प्रोजेक्ट तय समय में पूरा नहीं हुआ और उसका कब्जा तय समय, 2012 तक नहीं दिया गया। मामला आयोग में आने पर परिवादियों के पक्ष में फैसला हुआ। इसके बावजूद, विपक्षी ने आदेश की पालना नहीं की। इस पर परिवादियों ने आयोग में अवमानना याचिका दायर कर आदेश की पालना करवाने का आग्रह किया था।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म होने के कगार पर है- अमित शाह

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार को आतंकवाद, उग्रवाद व नक्सलवाद कांग्रेस से विरासत में मिले

नयी दिल्ली, 30 जुलाई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में आतंकवाद की समस्या के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए जोर देकर कहा है कि उसकी प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं वोट बैंक की राजनीति है लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार का संकल्प है कि कोई कुछ भी कर ले कश्मीर आतंकवाद से मुक्त होकर रहेगा।

शाह ने बुधवार को राज्यसभा में "पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक आपरेशन सिंदूर" पर 16 घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आतंकवाद पर मोदी सरकार से सवाल पूछने वाली कांग्रेस के शासन में ही उसकी तुष्टिकरण की नीति के कारण अलगाववाद और आतंकवाद बढ ा। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के जन्म के लिए भी कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू समझ जाते तो पाकिस्तान बनता ही नहीं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने जैसे ही जवाब देना शुरू किया कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने इसका विरोध करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चर्चा का जवाब देने की मांग कर रहे थे। मोदी उस समय सदन में मौजूद नहीं थे।

शाह ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद खत्म होने के कगार पर है। जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों और ढ ांचागत परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र स्थापित हो रहा है और वहां पिछले छह महीने में एक भी स्थानीय युवक की आतंकवादी संगठनों में भर्ती नहीं हुई है।

- केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा राज्यसभा में चर्चा का जवाब शुरु करते ही विपक्षी दलों ने वॉकआउट किया। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चर्चा का जवाब मांग रहे थे।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार को कांग्रेस की सरकार से आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद विरासत में मिले थे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर बात करने वाली कांग्रेस को इस आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए कि उसके राज में 54 आतंकवादी हमलों में 600 से अधिक लोग मारे गये।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने आत्मरक्षा के सिद्धांत के तहत ऑपरेशन सिंदूर चलाया और आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के भारत के अधिकार का सभी देशों ने समर्थन किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता चिदम्बरम ने उनके इस्तीफे की मांग के साथ प्रश्न उठाया कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादी पाकिस्तानी थे इसका सबूत क्या है। उन्होंने सवाल किया कि चिदम्बरम किस को बचाना चाहते थे, पाकिस्तान को या आतंकवादियों को। उन्होंने कहा कि यह भी संयोग है कि उन्होंने जिस दिन सवाल पूछा उसी दिन तीनों आतंकवादी ढेर हो गये।

शाह ने कहा कि छह मई की रात आतंकवादियों के नौ ठिकानों को निशाना बनाकर 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया। यह कार्रवाई आत्मरक्षा के सिद्धांत के तहत की गयी। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए शाह ने कहा कि किसी के कहने पर सैन्य कार्रवाई नहीं रोकी गयी यह पाकिस्तान के अनुरोध पर रोकी गयी।

शाह ने कहा कि यह पहला मौका है जब सेनाओं ने पाकिस्तान की सरजमीं पर हमला कर अपना शौर्य दिखाया है इससे पहले उसकी कार्रवाई पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर तक ही सीमित रहती थी।

अमेरिका ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया

- ट्रंप ने कहा कि भारत -अमेरिका में कारोबार कम होने का कारण भारत का उच्च आयात शुल्क है।

वॉशिंगटन, 30 जुलाई। लंबे समय से जारी अनिश्चितता पर विराम लगाते हुये, अमेरिका ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी और रूस से सैन्य उपकरण तथा तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की बात भी कही। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि भारतीय उत्पादों पर पहली अगस्त से 25 प्रतिशत आयात शुल्क लागू हो जायेगा। उन्होंने भारत को "मित्र" बताते हुये कहा कि पिछले कुछ वर्षों में तुलनात्मक रूप से दोनों देशों के बीच कारोबार कम रहा है। इसका कारण भारत का उच्च आयात शुल्क है, जो दुनिया में सर्वाधिक आयात शुल्क लगाने वाले देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे देश के मुकाबले भारत में गैर-मौद्रिक बाधायें भी सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि भारत भारी मात्रा में रूस से सैन्य उपकरण खरीदता है। ऐसे समय में, जब सभी चाहते हैं कि रूस "यूक्रेन में हत्याएँ" रोक दे, भारत चीन के साथ रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा खरीददार है। उन्होंने लिखा कि उसका रूस से ऐसा व्यापार करना गलत है और घोषणा की कि पहली अगस्त से भारत 25 फीसदी आयात शुल्क भरेगा। साथ ही रूस के साथ व्यापार करने की एवज में जुर्माना भी भरेगा। अमेरिका ने इस साल अप्रैल में भारत पर 26 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

हाई कोर्ट ने जयपुर की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सर्वे कर दो सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की जाए। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की एकलपीठ ने ये आदेश प्रकरण में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

अदालत ने संबंधित अधिकारियों को कहा है कि वे चार सप्ताह में इस सडक़ों की मरम्मत का समयबद्ध प्लान पेश करें। अदालत ने अधिकारियों से पूछा है कि शहर की सडक़ों की वर्तमान हालात और उन्हें सुधारने की स्थिति क्या है। इसके साथ ही अदालत ने जलभराव और उफनते सीवर की समस्या के लिए उठाए गए कदमों व रोड निर्माण में अमानक सामग्री व तकनीक अपनाने वाले जिम्मेदार व्यक्तियों व बिना जांच इनके बिल पास करने वाले लोगों के नाम भी बताने को कहा है। अदालत ने मामले में सहयोग के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता आरएन माथुर, अधिवक्ता तनवीर अहमद, संदीप पाठक और मधुसुधन सिंह राजपुरोहित को भी नियुक्त किया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मानसून में शहर की सड़कों के हालात बदतर हो रहे हैं, जिससे उसकी विश्वव्यापी इमेज पर भी नकारात्मक प्रभाव पड रहा है।

हर मानसून में यहां जलभराव, बाढ़ और जल निकासी की समस्या होती है। जल निकासी की समस्या से रोजमर्रा के जीवन तथा पर्यावरण के साथ-साथ, स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी समस्या निदान करने में असफल रहे हैं। अदालत ने कहा कि करदाताओं के पैसे का उपयोग कर रोड निर्माण किया जाता है, लेकिन कम गुणवत्ता की सामग्री उपयोग करने से यह अगले दिन ही क्षतिग्रस्त हो जाती है। वहीं, निर्माता की ओर से क्वालिटी चेक और तय अवधि तक जिम्मेदारी तय किए बिना ही रोड को सौंप दिया जाता है। इसके बावजूद, आज तक शायद ही किसी रोड ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया गया हो, बल्कि उन्हें ही वापस ठेके दिए जाते हैं। अदालत ने कहा कि शहर की सड़कों के हालात से लोगों के जीवन का मूलभूत अधिकार भी प्रभावित हो रहा है।

'जमानती अपराध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केस की सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगने की संभावना है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को जमानत पर रिहा किया जाए। दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ताओं पर अपराध प्रमाणित है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ताओं को जमानत पर रिहा करते हुए निचली अदालत के दोनों न्यायिक अधिकारियों से स्पष्टीकरण पेश करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का दुरुपयोग कर ग्रुप डी की नौकरियों के बदले अपने परिजनों के नाम पर ज़मीन लिखवाई।

सीबीआई का आरोप है कि ये नियुक्तियाँ बिना किसी विज्ञापन या सार्वजनिक चयन प्रक्रिया के की गई थीं और इसमें पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका थी, जिन्हें रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के सीधे निर्देश मिले थे। ये नियुक्तियाँ भारतीय रेल की मानक भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ पाई गईं। जांच के बाद, सीबीआई ने 7 जून को चार्जशीट दाखिल की, जिसमें लालू प्रसाद, उनके परिजनों और 77 अन्य, जिनमें 38 नौकरी पाने वाले उम्मीदवार भी शामिल हैं, को आरोपी बनाया गया था।

धनखड़ के इस्तीफे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपॉइंटमेंट्स को रोका जा रहा है। उसी दिन शाम 4:30 बजे हुई दूसरी बैठक में नड्डा और रिजिजू गैरहाज़िर रहे। उसी के बाद अचानक इस्तीफे की खबर आई।

धनखड़ के आवास पर रखे गए विज़िटर्स रजिस्टर में यह दर्ज है कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव जयराम रमेश और दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं की अक्सर मेज़बानी की। जब चंद्रबाबू नायडू ने मोदी को आगाह किया, तब नड्डा से कहा गया कि वे धनखड़ को सावधान करें। उन्हें यह भी बता दिया गया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने की प्रक्रिया राज्यसभा में महाभियोग के ज़रिए नहीं होगी। इस बीच, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के निवास पर एक बैठक हुई, जिसमें लोकसभा में महाभियोग के लिए 145 सांसदों के हस्ताक्षर जुटाने का प्रयास हुआ। धनखड़ उस समय तक 50 सांसदों के न्यूनतम हस्ताक्षर भी नहीं जुटा पाए थे, जो राज्यसभा में प्रस्ताव लाने के लिए ज़रूरी थे। इसलिए घोषणा की गई कि महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपा गया है, और वे ही आवश्यक प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। यह भी बताया गया कि राज्यसभा में अब तक कोई प्रस्ताव दाखिल नहीं हुआ है, इसलिए लोकसभा के 145 सांसदों का प्रस्ताव ही मान्य होगा। हालांकि, लोकसभा में न्यूनतम 100 हस्ताक्षर पर्याप्त होते हैं। इस घटनाक्रम के साथ ही, धनखड़ की वह योजना विफल हो गई, जिसमें वे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, एक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और एक प्रतिष्ठित न्यायविद् की नियुक्ति अपनी पसंद से करना चाहते थे।

अब यह अधिकार स्वमेव लोकसभा अध्यक्ष को चला गया है। सरकार नहीं चाहती थी कि विपक्ष राज्यसभा में विपक्षी सांसदों द्वारा लाया गया महाभियोग प्रस्ताव पारित हो, क्योंकि वह यह दिखाना चाहती थी कि भ्रष्टाचार को लेकर वह खुद सख्त है और वो ही यह प्रस्ताव लाई है।

रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया, लगातार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के भरोसे पर टिका हुआ नहीं होता है। यह अपना आंतरिक मूल्य रखता है और दुनिया में कहीं भी आसानी से इसे नकदी में बदला जा सकता है। भारत ही नहीं, दुनिया भर के केन्द्रीय बैंक अब सोने की ओर रुख कर रहे हैं। मगर आरबीआई की आक्रामक रणनीति इस बात का संकेत है कि भारत आने वाले खतरों को गंभीरता से ले रहा है: जैसे कि अस्थिर अमेरिकी डॉलर, व्यापार युद्ध, बढ़ती महंगाई, और भू-राजनीतिक तनाव।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की फिर से टैरिफ लगाने की धमकी हालिया वैश्विक चिंता की एक वजह बनी है। उनके बयानों ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था और डॉलर की प्रधानता को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी है। ऐसे माहौल में सोना एक सुरक्षा कवच के साथ-साथ, स्वायत्तता व आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी बन जाता है। यह कदम वैश्विक रुझानों से भी मेल खाता है। ब्रिक्स देश, ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका, लंबे समय से डॉलर के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। ऐसे में सोना, जो कि एक सार्वभौमिक मूल्य का भंडार रहा है, उनकी योजना में स्वाभाविक रूप से फिट बैठता है। भारत के लिए यह केवल बैलैंस शीट में विविधता लाने का कदम नहीं, बल्कि एक तरह की "रिज़र्व डैमोक्रैसी" भी हो सकती है। इसके घरेलू कारण भी हैं। भारतीय रुपया भले ही तुलनात्मक रूप से स्थिर हो, फिर भी वह तेल कीमतों में उछाल या अचानक पूंजी निकासी जैसे बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील है। ऐसे में अधिक सोना रखकर आरबीआई अपने लिए सुरक्षा आधार तैयार करता है, एक ऐसी संपत्ति, जो ब्याज दरों, प्रतिबंधों या मुद्रा गिरावट से प्रभावित नहीं होती।

आलोचक यह कह सकते हैं कि सोना ब्याज अर्जित नहीं करता, जबकि सरकारी बॉन्ड ब्याज देते हैं। मगर जब दुनिया आर्थिक संकट में हो, तो स्थिरता, मुनाफे से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। आरबीआई के कदम यह दिखाते हैं कि वह तत्काल लाभ से ज्यादा दीर्घकालिक स्थायित्व पर ध्यान दे रहा है। असल में, यह सोना-खरीद अभियान केवल सतर्कता नहीं है, बल्कि यह डॉलर-प्रधान वित्तीय व्यवस्था में एक मौन अविश्वास का संकेत भी है। यह इशारा करता है कि भारत, बाकी देशों की तरह, एक कठिन आर्थिक रास्ते के लिए खुद को तैयार कर रहा है। भले ही वैश्विक आर्थिक संकट अभी निकट हो या नहीं, आरबीआई इंतज़ार नहीं कर रहा। वह भारत के भंडार को उस संपत्ति से मजबूत कर रहा है, जिसने हर दौर के संकट को सहा है, वह है सोना।

'नागरिकता सबूत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्र में यह भी कहा गया कि "ऐसा लगता है, मानो मतदाता सूची को सुधारने के नाम पर चुनाव प्रक्रिया को समाप्त करने के लिये एसआईआर पर्याप्त नहीं थी, तभी तो इस विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न) को इतनी तेज़ी से लागू करना, बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) को असंभव समय सीमा देना और डेटा डिजिटाइज करने के लिए अपर्याप्त संसाधन देना, चुनाव आयोग द्वारा तय की गई प्रक्रिया का उपहास बन कर रह गया है।"

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908